सोना 98,825
चांदी 1,00, 500
तिथि- वैशाख, शुक्ल, चतुर्थी
शेयर मार्केट 80,289
निफ्टी 24,335
अधिकतक 39 डिग्री
न्यूनतम 26 डिग्री

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष-21 अंक- 157 | R.N.I. No. UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, गुरुवार, 1 मई 2025 | पृष्ठ 8 | मूल्य : 2 रुपये

केन्द्र सरकार ने लिया बड़ा फैसला

अब जाति जनगणना कराएगी मोदी सरकार

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। वैष्णव ने कहा कि कई राज्यों में की गई जाति जनगणना की कवायद अवैज्ञानिक है। एनडीए शासित बिहार सहित कई राज्य पहले ही जाति जनगणना के आंकड़े प्रकाशित कर

चुके हैं। वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस सरकारें हमेशा से जाति जनगणना का विरोध करती रही हैं। 2010 में स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर मंत्रिमंडल में विचार किया जाना चाहिए। इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना की सिफारिश की है। इसके बावजूद, कांग्रेस सरकार ने जाति सर्वेक्षण या जाति जनगणना कराने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं। जबकि कुछ राज्यों ने यह काम अच्छे से किया है, वहीं कुछ अन्य ने केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों से समाज में संदेह पैदा होता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति से हमारा सामाजिक ताना-बाना खराब न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि चीनी सीजन 2025-26 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 355 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह बेंचमार्क मूल्य है, जिससे नीचे इसे नहीं खरीदा जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शिलांग से सिलचर तक 22,864 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले हाई-स्पीड कॉरिडोर राजमार्ग को मंजूरी दे दी है।

सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकरायी कार, एक परिवार के तीन लोगों की मौत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में बुधवार को ठाकुरद्वारा-बिजनौर मार्ग पर एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। दुर्घटना में कार में सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गयी और तीन अन्य लोग जख्मी हो गये।

पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कुछ लोग एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात करीब तीन बजे ठाकुरद्वारा-बिजनौर मार्ग पर रतूपुरा गांव के पास तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकरायी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कविराज (36), उसकी पत्नी मंजू (34) और बेटी आराध्या (11) की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मारे गये लोग बिजनौर जिले के फीना गांव के निवासी थे। पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि मृतकों के शव सीटों से चिपक गए थे। पुलिस के मुताबिक, हादसे में घायल ताशु (18), लक्ष्य (12) और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति को काशीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बतायी जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आकाश सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय सेना के साथ खड़ा है पूरा देश: केसी त्यागी

(एजेंसी) नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां बरसाने वाले आतंकियों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए भारतीय सेना को पीएम मोदी की ओर से दी गई खुली छूट पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है। बुधवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान केसी त्यागी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया। पूरा देश गुस्से में है। केंद्र सरकार से सभी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीएम मोदी ने पूरे मामले पर नजर बनाई हुई है। 29 अप्रैल (मंगलवार) को पहलगाम घटना को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में एक हाईलेवल बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी ने तीनों सेनाओं को खुले तौर पर छूट दी है कि वह तय करे कि उन्हें कब और कैसे दुश्मनों पर प्रहार करना है। पीएम मोदी के साथ पूरा देश है।

पाकिस्तान ने जब जब देश की एकता, ताकत को चुनौती दी, भारतीय सैनिकों ने उसे शिकस्त दी: हिमंत विश्व शर्मा

(एजेंसी) गोवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि जब जब पाकिस्तान ने 'भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देनेश् का दुस्साहस किया, तब तब भारतीय सैनिकों ने बहादुरी के साथ इसका मुकाबला किया, दुश्मन को हराया तथा देश का मान बनाए रखा। उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर के चार जिलों में कई सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की, जिसके बाद भारतीय बलों ने ''इसका माकूल जवाब दिया। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हालिया आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के साथ पड़ोसी देश ने लगातार छठी रात एलओसी पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है।

रांची और जमशेदपुर में बनेगा अंतरराज्यीय बस अड्डा, 331 करोड़ की लागत से होगा तैयार

(एजेंसी) जमशेदपुर। रांची और जमशेदपुर में अंतरराज्यीय बस अड्डा तैयार होगा। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने बैठक कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। सुनील कुमार ने कहा कि रांची और जमशेदपुर के नागरिकों की सुविधा को देखते हुए आइएसबीटी का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए। प्रधान सचिव ने कहा कि दुबलिया रांची और जमशेदपुर में बनने वाले आइएसबीटी की 60 प्रतिशत भूमि को खुला रखा जाये तथा 40 प्रतिशत भूमि पर ही निर्माण कार्य किया जाये। खुले क्षेत्र में पौधारोपण भी किया जाये। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण विश्रामागार एवं प्रतीक्षालय हर हाल में बनाया जाना चाहिए। साथ ही आइएसबीटी में यात्रियों के लिए सभी प्राथमिक सुविधाएं मुहैया करायी जायें। बताया गया कि रांची में अंतरराज्यीय बस पड़ाव (आइएसबीटी) के निर्माण की अनुमानित लागत 181 करोड़ रुपये है तो जमशेदपुर में 150 करोड़ रुपये। जानकारी के मुताबिक आईएसबीटी रांची में 33.51 एकड़ क्षेत्रफल में लगभग 180.45 करोड़ रूपये एवं आईएसबीटी जमशेदपुर में 10.70 एकड़ क्षेत्रफल में लगभग 150 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण कराया जायेगा।

इस बार आतंकवाद पर केंद्र सरकार जोरदार कार्रवाई करे : उदित राज

(एजेंसी) नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना पर पीएम मोदी द्वारा भारतीय सेनाओं को आतंकवाद पर कार्रवाई करने के लिए दी गई खुली छूट पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का भारत सरकार को पूर्ण समर्थन है और हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ इस बार जोरदार कार्रवाई करे। कांग्रेस नेता ने कहा कि आतंकी हमले बंद नहीं हो रहे हैं। मैं समझता हूं कि सरकार को कड़ा जवाब दिया जाना चाहिए। कांग्रेस द्वारा पीएम मोदी की गायब तस्वीर शेयर करने पर यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के ट्वीट पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए बहुत सशक्त है। मायावती भाजपा के पक्ष में क्यों जवाब दे रही हैं? जिस तस्वीर को लेकर वह ट्वीट कर रही हैं, वह फोटो हटा ली गई है। उदित राज ने मायावती को भाजपा में शामिल हो जाने की सलाह भी दी। वहीं, पाकिस्तान की ओर से सीजफायर उल्लंघन करने पर कहा कि हमारी कांग्रेस पार्टी ने भारत सरकार को समर्थन दिया है। गिरिराज सिंह ने कहा था कि लाहौर में घुसकर मारेंगे। मुझे यह बात याद आती है। अब देश में मोदी सरकार है, उन्हें जवाब देना चाहिए। टीएमसी सांसद सागरिका घोष के बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इस सवाल का जवाब देगी। हमारा और कांग्रेस पार्टी का रुख यह है कि हम सरकार के साथ हैं। सरकार को पाकिस्तान के खिलाफकड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। नेपाल-यूपी के बॉर्डर पर कई मदरसों को ध्वस्त करने पर उदित राज ने कहा कि अगर अवैध हैं तो ठीक है। लेकिन, धर्म के आधार पर अगर मुस्लिम को टारगेट किया जा रहा है तो ऐसा नहीं होना चाहिए। जब मदरसे बन रहे थे, तो सरकारी तंत्र क्या कर रहा था? उन अधिकारियों पर जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच 21 विधायकों ने अमित शाह से सरकार गठन की मांग की

चर्चित राजनीति। एजेंसी

इम्फ ाल। मणिपुर के 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में सरकार बनाने की मांग की है। ये विधायक मणिपुर में शांति बहाली और सामान्य स्थिति की ओर कदम बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। पत्र में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद शांति की स्थिति नहीं बन पाई है, जिसके कारण लोग हिंसा के फिर से होने की आशंका जता रहे हैं। गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया था। इसके बाद से मणिपुर की विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया गया है और राज्य में शांति की बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की स्थिति ने राज्य को प्रभावित किया है। मई 2023 से जारी हिंसा में 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। पत्र में 21 विधायकों ने सरकार से अपील की है कि राष्ट्रपति शासन के बाद शांति और सामान्य स्थिति के लिए अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विधायकों में भारतीय जनता पार्टी के 13 विधायक, एनपीपी के 3 विधायक, नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के 3 विधायक और विधानसभा के 2 स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं। मणिपुर के लोगों ने राष्ट्रपति शासन का स्वागत किया था... बहुत उम्मीद और अपेक्षा के साथ। हालांकि, तीन महीने होने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक शांति और सामान्य स्थिति के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में यह चिंता जताई जा रही है कि राज्य में फिर से हिंसा की स्थिति बन सकती है। कई नागरिक संगठन भी राष्ट्रपति शासन के खिलाफ सामने आकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि शांति के लिए सरकार का गठन अत्यंत जरूरी है। उनका मानना है कि राष्ट्रपति शासन के तहत स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है और अब स्थायी सरकार ही राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली कर सकती है।

भाजपा सरकार मनमाने तरीके से पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों का कर रही है पुनर्गठन-अशोक गहलोत

(एजेंसी) जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर प्रदेश में मनमाने तरीके से पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों के पुनर्गठन करने का आरोप लगाया हैं। गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में यह आरोप लगाते हुए कहा मैं ऐसा पहली बार देख रहा हूं कि सारे नियम-कानून तोड़े जा रहे हैं। जिला कलेक्टरों ने जनता की आपत्तियां दर्ज कर आगे कार्रवाई करने की बजाय हाथ खड़े कर दिए हैं और कलेक्टर कह रहे हैं कि हम कुछ नहीं कर पाएंगे, सारा काम राज्य सरकार के स्तर से हो रहा है।उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मिलकर येन-केन-प्रकरेण पंचायतीराज और नगरीय निकाय के चुनाव जीतना चाहते है। इसके लिए पहले भरतपुर जिला प्रमुख समेत कई जगह इनके उपचुनाव तक नहीं कराए गए। फिर वन स्टेट-वन इलेक्शन के नाम पर कार्यकाल पूरा होने के बाद भी चुनाव नहीं करवाए एवं अब ये वोटबैंक को साधकर जीतने के लिए नियमों एवं जनता की सहूलियत को भी अनदेखा कर रहे हैं। न तो न्यूनतम एवं अधिकतम जनसंख्या के पैमाने को माना जा रहा है और न ही मुख्यालय से उचित दूरी का ध्यान रखा जा रहा है।

कोलकाता के होटल में भीषण लगी आग

14 की मौत पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे का किया ऐलान

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता के बड़ा बाजार स्थित एक होटल में आग की चपेट में आने से 14 लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। साथ ही उन्होंने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर बताया, ष्कोलकाता में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा, घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने एक बयान में कहा, ष्मछुआ बाजार के एक होटल में लगी आग में 14-15 लोगों की मौत हो गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह महज एक घटना नहीं है बल्कि यह हत्या है, क्योंकि ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। कोलकाता में स्थिति बेहद खराब है। फायर ब्रिगेड मंत्री और मुख्यमंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन मुख्यमंत्री के पास समय ही कहां है। वह सिर्फ जश्न मनाने में व्यस्त हैं। चश्मदीद चंचल गुप्ता ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि होटल में आग मंगलवार देर रात करीब 9 बजे के आसपास लगी थी। आग लगने के बाद दमकल विभाग की टीम को मौके पर पहुंचने में एक घंटा लगा था और करीब ढाई घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सुबह साढ़े चार बजे के आसपास शवों को

होटल से बाहर निकाला गया। इस हादसे में करीब 18 से 20 लोगों की मौत हुई है। यह घटना देर रात की है। कोलकाता के बड़ा बाजार के मछुआ फल मंडी स्थित ऋतुराज होटल में अचानक आग लगी थी। यह आग इतनी भीषण थी कि इसने कुछ ही देर में पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया और होटल के अंदर धुआं भर गया। इस दौरान होटल में मौजूद कुछ लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालांकि, धुएं की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

डॉ. राजेश्वर सिंह का सपा प्रमुख पर तीखा प्रहार

आपके बयानों में राष्ट्र का स्वर नहीं, पाकिस्तान का नैरेटिव झलकता है

❑ क्या शहीदों के परिवारों से संवेदना जताने में भी राजनीति होगी ? सपा प्रमुख से डॉ. राजेश्वर सिंह का सीधा सवाल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने एक बार फिर अपनी स्पष्टवादिता से राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले और उसके बाद की राजनीतिक प्रतिक्रियाओं पर डॉ. सिंह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर तीखा ट्वीट कर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तुष्टिकरण, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और वोटबैंक की घृणित राजनीति करने का आरोप लगाया है। डॉ. सिंह ने लिखा कि आज जब देश आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट है, सपा प्रमुख तब भी तुष्टिकरण, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और वोटबैंक की घृणित राजनीति में लिप्त हैं। उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब आतंकवादियों द्वारा किए गए नृशंस हमले में 26 निर्दोष हिंदू पर्यटकों की जान चली गई, जिनमें कानपुर के शुभम द्विवेदी भी शामिल थे। डॉ. सिंह ने सवाल उठाया कि जब पूरा देश शहीदों के परिवारों

के साथ खड़ा था, तब सपा प्रमुख ने शुभम के परिजनों से मिलने तक से इंकार कर दिया, और शर्मनाक ढंग से कहा कि परिवार से मेरा कोई संबंध नहीं। लेकिन जब माफिया मुख्तार अंसारी की मृत्यु हुई, तो सपा प्रमुख उसके घर संवेदना व्यक्त करने पहुँच गए। क्या यही दोहरा चरित्र नहीं है ? क्या हिंदू शहीदों का दर्द उनके लिए कोई मायने नहीं रखता ?जब आतंकी हमले के बाद देश भर के नेता सर्वदलीय बैठक में शामिल होकर एक स्वर में आतंकवाद के विरुद्ध खड़े हुए, तब सपा प्रमुख वहाँ क्यों नहीं पहुँचे ? आपने सेना की नीतियों पर तो उंगलियाँ उठाईं, लेकिन आतंकियों के खिलाफकठोरतम सजा की मांग करना भूल गए! क्यों ? क्या आतंकियों को नाराज करने का डर है ? वर्ष 2013 में अखिलेश यादव की सरकार ने 21 खूंखार आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेने की कोशिश की थी, जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि क्या आप आतंकियों को पद्म भूषण देंगे ? उन्होंने कहा कि आज भी सपा उसी राह पर चल रही है। बाबर और औरंगजेब जैसे लुटेरों की प्रशंसा करने वालों को गले लगाने वाले लोग, राणा सांगा और छत्रपति संभाजी महाराज जैसे राष्ट्रवीरों का अपमान करने वालों का समर्थन कर रहे हैं। क्या आपका झुकाव आज भी इस्लामाबाद की ओर है ? डॉ. सिंह ने अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी जैसे माफिआओं को सरंक्षण देने वाली राजनीति पर भी हमला बोला और पूछा कि जिन लोगों ने यूपी को डर के साये में रखा, क्या वे आज सेना और सुरक्षा नीतियों पर उंगली उठाने लायक हैं ? डॉ. सिंह ने लिखा कि महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजनों तक को वोट बैंक की दृष्टि से देखने वाले लोग न धर्म के हुए, न देश के। जब राष्ट्र आतंकवाद के खिलाफनिर्णायक लड़ाई चाहता है, तब सपा जैसी पार्टियाँ विभाजन की राह पर चल रही हैं, लेकिन जनता सब देख रही है, और जवाब भी देगी।

मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर बनाए गए देवेन भारती, विवेक फनसालकर की जगह लेंगे

चर्चित राजनीति। एजेंसी

मुंबई । 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी देवेन भारती को मुंबई का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को एक आदेश जारी कर देवेन भारती को मुंबई का नया पुलिस कमिश्नर बनाए जाने की जानकारी दी है। महाराष्ट्र के गृह विभाग ने बताया कि विवेक फनसालकर आज निर्धारित आयु के आधार पर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम (1951 का 22) के खंड 22(न) के प्रावधानों के अनुसार, देवेन भारती को मुंबई का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया जाता है, जो वर्तमान में विशेष पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। मुंबई पुलिस कमिश्नर पद के लिए रितेश कुमार, अमिताभ गुप्ता और संजीव कुमार सिंघल के नाम भी चर्चा में थे, लेकिन यह जिम्मेदारी देवेन भारती को दी गई। दरअसल, देवेन भारती 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और उन्हें पिछले साल मुंबई का स्पेशल पुलिस कमिश्नर भी नियुक्त किया गया था। इससे पहले, वह मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) के पद पर थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देवेन भारती को देवेंद्र फडणवीस सरकार का करीबी माना जाता है। साल 2014 से 2019 के बीच उन्होंने फडणवीस सरकार में कई अहम जिम्मेदारियां निभाई थीं। महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान उन्हें परिवहन विभाग और सुरक्षा निगम जैसे कम महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया था। दिसंबर 2022 में वह संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) के पद पर कार्यरत थे। वह 26ध्11 मुंबई आतंकवादी हमलों की जांच टीम में भी शामिल थे। 30 साल से अधिक के करियर के दौरान उनकी तैनाती अधिकांश मुंबई शहर में रहीं। वह महाराष्ट्र पुलिस के एटीएस प्रमुख की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

बाबा साहेब के साथ अखिलेश की आधी तस्वीर लगाने के विरोध में भाजपाइयों का धरना प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के नेतृत्व में हजरतगंज चौराहे पर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के सामने राज्यसभा सांसद बृजलाल, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला, एमएलसी मुकेश शर्मा, विधायक डॉ नीरज बोरा, एमएलसी लालजी निर्मल सहित बड़ी संख्या में उपस्थित दलित समाज के लोगों और भाजापा कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया और अखिलेश यादव मुर्दाबाद के नारे लगाए। ष्बाबा साहब के सम्मान में भाजपा मैदान में बाबा साहेब का अपमान नहीं सहेंगेष् और ष्अखिलेश यादव होश में आओष् जैसे स्लोगन लिखित तख्तियां लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी मुखिया के खिलाफ घंटो जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के दौरान राज्यसभा सांसद बृजलाल ने कहा कि भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान शिल्पी हैं विश्व के बड़े विद्वान रहे हैं बाबा साहब के आधे चित्र के साथ अपना आधा चित्र लगाकर अखिलेश यादव ने उनका अपमान किया है यह महा पाप है इसके लिए वह माफी मांगे। इससे पहले भी अखिलेश यादव हमेशा बाबा साहब का अपमान करते रहे हैं उन्होंने मुख्यमंत्री बनते ही कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम जो बाबा साहब के नाम पर था हटा दिया था। जिला भीम नगर का नाम जिला संभाल किया, लखनऊ के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ग्रीन गार्डन का नाम बदलकर जनेश्वर मिश्रा पार्क किया। अखिलेश यादव ने समय-समय पर बाबा साहब और पूरे दलित समाज को अपमानित किया है जिसको हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबा साहब का अपमान किया है और आज पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित वर्ग कार्यकर्ताओं सहित बाबा अंबेडकर साहब प्रतिमा के समक्ष उसका विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बाबा साहब के चेहरे के साथ अपना चेहरा जोड़कर उनको बाबा साहब के बराबर दिखाया गया। बाबा साहब के चेहरे को आधा काट कर उनके बराबर अपना चित्र जोड़कर समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर होल्डिंग लगाई गई है और समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने वह चित्र उनको भेंट भी किया है। बाबा साहब विचारों के नेता थे जिन्होंने भारत के संविधान को रूप देने का कार्य किया दलित समाज को सम्मान देने के लिए कार्य किया। समाजवादी पार्टी पहले भी बाबा साहब का अपमान कर चुकी है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। आनंद द्विवेदी ने कहा कि श्बाबा साहब का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानश। अखिलेश यादव ने बाबा साहब का जो अपमान किया है जनता उसको स्वीकार नहीं करेगी। अखिलेश यादव बाबा साहब के पैरों की धूल भी नहीं है और खुद को उनके बराबर समझ रहे हैं जो बहुत निंदनीय है और उनको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। बाबा साहब के सम्मान में भाजपा मैदान में इस संकल्प के साथ हम सब यहां एकत्रित है।

मनरेगा से आवागमन हुआ आसान, आर्थिक गतिविधियों को मिला बढ़ावा

बेहतर हुई है ग्रामीण कनेक्टिविटी

संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गांवों में आवागमन के लिए आन्तरिक गलियों को मनरेगा से बेहतर तरीके से सही कराया जाय। सड़कों, पुलियों और पैदल मार्गों के निर्माण ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, बल्कि ग्रामीण समुदायों को मुख्यधारा से जोड़कर उनकी जीवनशैली में सुधार किया है। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रदेश की ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत मार्गों, सीसी रोड,इंटरलॉकिंग, चकरोड का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इनके निर्माण से आवागमन सुगम हुआ है एवं ग्राम पंचायतों में स्वच्छता भी बढ़ी है।ग्रामीण क्षेत्रों में नदियों और नालों के कारण आवागमन में असुविधा न हो और खासकर मानसून के दौरान मनरेगा के तहत पुलियों का निर्माण किया गया है, जिससे हर मौसम में कनेक्टिविटी निश्चित हुई है। उन गांवों में जहां वाहनों के लिए बड़ी सड़कें बनाना संभव नहीं है, मनरेगा के तहत पैदल मार्ग और छोटे संपर्क मार्ग बनाए गए हैं। ये मार्ग विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए उपयोगी हैं, जो स्कूल, स्वास्थ्य केंद्रों और सुविधाओं तक पहुंचने के लिए इनका उपयोग करते हैं।ग्रामीण सड़कों की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए जल निकासी प्रणाली का निर्माण महत्वपूर्ण है। मनरेगा के तहत सड़कों के किनारे नालियों का निर्माण किया गया है, जिससे बारिश के दौरान सड़कों को नुकसान नहीं पहुंचता। बेहतर सड़क नेटवर्क ने ग्रामीण उत्पादों, जैसे सब्जियों, अनाज और दूध, को बाजारों तक पहुंचाने में मदद की है। इससे किसानों की आय में वृद्धि हुई। स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिला है।ग्रामीण कनेक्टिविटी परियोजनाओं ने स्थानीय श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया है। बेहतर कनेक्टिविटी ने ग्रामीण समुदायों, विशेषकर महिलाओं और अनुसूचित जाति जनजाति समुदायों, को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाया है।ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मनरेगा के तहत उत्तर प्रदेश में ग्रामीण आन्तरिक गलियों और संपर्क मार्गों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बीते 3 सालों में योजनांतर्गत 2.32 लाख से ज्यादा ग्रामीण संयोजकता के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने अवगत कराया कि प्रदेश में मनरेगा के तहत ग्रामीण कनेक्टिविटी कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ आधारभूत संरचना का विकास करना है। उत्तर प्रदेश, जो देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, में मनरेगा के तहत ग्रामीण कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। ये कार्य न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि ग्रामीण समुदायों को शहरी केंद्रों और बाजारों से जोड़कर सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाते हैं। मनरेगा और ग्रामीण कनेक्टिविटी मनरेगा के तहत ग्रामीण कनेक्टिविटी कार्यों में मुख्य रूप से ग्रामीण सड़कों का निर्माण, मरम्मत और रख-रखाव, नालियों का विकास शामिल है।

इजरायली टेक्नोलॉजी से किसानों की आमदनी दोगुना करेगी योगी सरकार

तैयार करेंगे 26 करोड़ पौध, सब्जियों के उत्पादन में आयेगा क्रांतिकारी बदलाव

❑ किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान देकर आमदनी बढ़ाने की तैयारी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार खेती-किसानी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहती है। सरकार की योजना प्रदेश में सब्जी उत्पादन को तकनीकी सहायता से सशक्त बनाने की है। इजरायली तकनीक की मदद ली जा रही है। कौशाम्बी में सेंटर ऑफएक्सीलेंस फॉर फरूट्स और चंदौली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजीटेबल्स की स्थापना की जा रही है। किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में 150 हाईटेक नर्सरियों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले पौधे और आधुनिक तकनीक सुलभ हो सकेगी। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि इजरायली तकनीक की मदद से किसानों की आमदनी को दोगुनी की जाए। 26 करोड़ पौध को तैयार करने की योजना बनाई गई है। इन पौध से सब्जियों के उत्पादन में गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार आएगा, जिससे बाजार में अच्छी कीमत मिल सकेगी। 150 हाईटेक नर्सरियों की स्थापना की जा रही है। केंद्रों के माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी, बीज, पौध और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल प्रदेश के हर जिले में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देगी और ग्रामीण

अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी।योगी सरकार ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दे रही है। ड्रिप सिंचाई में इकाई लागत के सापेक्ष लघु एवं सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। वहीं स्प्रिंकलर सिंचाई के लिए लघु एवं सीमांत कृषकों को 75 प्रतिशत और अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है।नर्सरियों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म की पौध, उर्वरक, जैविक उत्पाद, कीटनाशक नियंत्रण, जल प्रबंधन, फसल संरक्षण एवं विपणन की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उत्पादन लागत में कमी और लाभ में वृद्धि संभव होगी।

स्टूडेंट्स ने विधानसभा घेरी, पुलिस से झड़प, बैरिकेडिंग तोड़ी

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को स्टूडेंट्स ने जमकर हंगामा किया। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के बैनर तले हजारों की संख्या में स्टूडेंट्स जीपीओ पार्क से विधानसभा का घेराव करने निकले। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। छात्र बोले विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली हो, निजी स्कूलों पर सरकार लगाम लगाए। प्रदर्शनकारियों ने पहले शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी, लेकिन जैसे ही छात्रों ने विधानसभा की ओर कूच किया, मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हुई, और छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़कर नारेबाजी शुरू कर दी। छात्र शिवम पांडेय बोले प्राइवेट स्कूलों की फीस मनमानी पर रोक लगाई जाए। शासन बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू हो और सार्वजनिक शिक्षा को सुलभ और सशक्त बनाया जाए। छात्रों ने आरोप लगाया प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के कारण आम आदमी बच्चों को पढ़ा नहीं पा रहा है। विरोध प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए छात्र शामिल हुए। करीब आधे घंटे तक सड़क पर ट्रैफिक जाम के हालत रहे। पुलिस को भीड़ को काबू में लाने में मशक्कत करनी पड़ी। अंत में छात्रों को शांत कराने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन में छोड़ दिया।

स्वैगर्स क्लब ने खेल प्रतियोगिताओं का खूबसूरत आयोजन किया

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी के मशहूर स्वैगर्स क्लब ने अप्रैल माह में एक भव्य और उत्साहपूर्ण खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन और क्रिकेट जैसे प्रमुख खेलों को शामिल किया गया। यह आयोजन केवल बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि माता-पिता ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। परिवारों द्वारा भाग लेने के कारण यह प्रतियोगिता परिवारों को जोड़ने का एक उत्कृष्ट प्रयास सिद्ध हुई। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य खेल भावना, एकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों ने पूरे जोश और समर्पण के साथ भाग लिया और दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर आयोजन को सफल बनाया। प्रतियोगिताओं के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहें-विजेता-मारुति वारियर्स उपविजेता-सचदेवा टाइटेनस बैडमिंटन विजेता-सचदेवा टाइटेनस क्रिकेट विजेता-नेम कुमार ज्वैलर्स मारुति वारियर्स ने सभी खेलों में निरंतर प्रदर्शन करते हुए अधिकतम अंक अर्जित किए और प्रतियोगिता के समग्र विजेता बने। वहीं सचदेवा टाइटेनस ने बैडमिंटन में शानदार खेल का प्रदर्शन कर पहला स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट में नेम कुमार ज्वैलर्स की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब जीता। यह आयोजन न केवल खेलों का उत्सव था, बल्कि एक ऐसा मंच भी बना, जहाँ परिवार एक साथ समय बिता सके और खेल के माध्यम से आपसी सहयोग व सौहार्द को बढ़ावा मिला।

लालबाग में 5 फीट धंसी सड़क, सीवर में लीकेज से हुई घटना

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के लालबाग में बलिंगटन की ओर जाने वाली सड़क धंस गई। इसके चलते सड़क पर आवाजाही करने वाले लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में लोगों ने नगर निगम के जल कल विभाग से शिकायत की, जिसके बाद जलकल विभाग सीवर लाइन को सही करने में जुट गया है। जलकल विभाग के जीएम कुलदीप सिंह ने बताया कि रात के समय में सड़क पर यह गड्ढा हुआ है। आठ एमएम की सीवर पाइपलाइन सड़क के नीचे से जा रही, जिसमें हुए रिसाव के चलते पानी भर गया। इससे सड़क धंस गई। उनका कहना है कि मामले की सूचना के बाद मौके पर पहुंची जलकल की टीम सड़क को खोद कर सीवर पाइपलाइन सही कर रही है। उनका कहना है कि सड़क बनाने का काम चल रहा था। इसके चलते हैमरिंग हुई, जिसके बाद सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गई। नगर निगम के लोगों ने बताया कि बीच सड़क पर 5 फीट का गड्ढा हो गया। इसके कारण सड़क पर आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान वाहन सिर्फएक तरफसे आवाजाही कर रहे हैं। लालबाग से बलिंगटन की तरफ जाने के लिए वाहनों की रफ्तार धीमी है। इसके कारण सड़क पर वाहनों का दबाव बना हुआ है।

पति ने डाक से भेजा तीन तलाक, पत्नी ने दर्ज कराया दहेज प्रताड़ना का केस

संवाददाता, लखनऊ। कैसरबाग इलाके में रहने वाली विवाहिता ने पति के खिलाफ दहेज न मिलने पर मारने पीटने, धक्का देकर घर से निकाल देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कहा कि मायके में रह रही थी, पति ने डाक से पत्र भेजकर तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। कैसरबाग निवासी महिला का निकाह दिसंबर 2023 को दतिया निवासी शहबाज सिद्दीकी से हुआ था। कुछ दिन बाद पति के आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का पता चला। शहबाज के खिलाफउसकी भाभी ने भी मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता के मुताबिक शादी के बाद शहबाज ग्रेटर नोएडा चला गया था। उसके साथ एक महिला भी रहती थी। शहबाज ने 26 अप्रैल 2024 को गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट की। पत्नी को बस में बैठा कर मायके भेज दिया। पीड़िता के मुताबिक आरोपी के पास उसकी कुछ निजी तस्वीरें है। जिन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा है। महिला ने पुलिस को बताया कि 29 नवंबर 2024 में पति ने स्पीड पोस्ट भेज कर तीन तलाक दे दिया। इसके बाद भी परिवार वाले बेटी का घर बचाने के लिए प्रयास करते रहे।

पर्यटन नीति 2022 के लाभ की निवेशको को 15 मई तक कैंप लगाकर दी जायेगी जानकारी : जयवीर

❑ वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निवेशकों को जागरूक करेंगे प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति

संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 का लाभ प्रत्येक निवेशकों तक पहुंचाने के लिए हरसंभव उपाय किया जा रहा है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के प्रत्येक जिले में कैंप लगाया जाएगा, जिसे प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। इस बारे में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बहुत ही तेजी से विकास करने वाला राज्य है। बीते वर्ष यहां लगभग 65 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे। अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य स्थलों पर प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। इसको देखते बड़ी संख्या में पर्यटक सुविधाओं की आवश्यकता है। इसके दृष्टिगत पर्यटन विभाग का प्रयास है कि गंतव्यस्थलों के साथ-साथ एनएच, एसएच सहित अन्य प्रमुख मार्गों के किनारे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वे साइड एमिनिटीज जैसे ढाबा, होटल, मोटल में भव्य पर्यटक सुविधाएं उपलब्ध हों ताकि मार्ग में पड़ने वाली इन इकाइयों में पर्यटक उच्चस्तरीय सुविधाओं का लाभ ले सकें। पर्यटन उद्योगों को चिन्हित करते हुए 33 विभिन्न पर्यटन इकाइयों को नवीन पर्यटन नीति 2022 में सम्मिलित किया गया है। नवीन पर्यटन नीति 2022 में पर्यटन उद्यमियों को पूंजीगत व्यय पर 30 प्रतिशत तक का अनुदान अनुमन्य किया गया है। वित्तीय प्रोत्साहन, अनुदान, लाभ एवं छूट प्रदान करने के लिए पारदर्शी एवं सहज ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की गई है। पर्यटन नीति का प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। प्रदेश में 15 मई तक कैंप लगाया जाएगा। इसका शुभारंभ 28 अप्रैल से हो चुका है। कैंप में राजस्व अधिकारी, जीएसटी अधिकारी, व्यापार एवं उद्योग मंडल के अध्यक्ष सहित होटल मालिक, मोटल मालिक, ढाबा संचालक सहित अन्य निवेशक हिस्सा लेंगे। इन्हें पर्यटन नीति-2022 के लाभों से अवगत कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि घरेलू पर्यटन के मामले में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। विदेशी पर्यटकों के मामले में भी प्रदेश को देश में प्रथम स्थान पर स्थापित करने के लिए सभी पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

एकीकृत पोर्टल के संबन्ध में वर्चुअल ओरिएंटेशन का आयोजन

वर्चुअल सत्र में, डीडीयू-जीकेवाई 2.0 की तैयारी पर चर्चा हुई

संवाददाता

लखनऊ । ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण कौशल प्रभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी-डीआरडी) के साथ मिलकर दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पोर्टल के सम्बन्ध में वर्चुअल ओरिएंटेशन का आयोजन हुआ। इस पहल के तहत, मंत्रालय ने सभी राज्यों के ग्रामीण विकास और कौशल विकास विभागों के प्रमुख अधिकारियों, साथ ही राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) और राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम) के शीर्ष अधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया। इस वर्चुअल मीटिंग का मुख्य एजेंडा डीडीयू-जीकेवाई 2.0 के आगामी कार्यान्वयन की तैयारियों पर केंद्रित था। प्रतिभागियों को विशेष रूप से नए पोर्टल के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं - हितधारक पंजीकरण, रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) मॉड्यूल, और परियोजना संदर्भ संख्या (पीआरएन) मॉड्यूल - के बारे में विस्तार से बताया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे और अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और डीडीयू-जीकेवाई से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी विचार साझा किए। सरकार का लक्ष्य डीडीयू-जीकेवाई और आरसेटी के तहत कौशल विकास प्रयासों को और अधिक पारदर्शी, कुशल और जवाबदेह बनाना है, जिससे ग्रामीण युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें।

प्रयाग पॉलिमर्स ने उच्च दाब वाले जल अनुप्रयोगों के लिए पीवीसी-ओ पाइप्स की पूरी रेंज लॉन्च की

❑ भिवाड़ी स्थित प्रयाग के आईएसओ-प्रमाणित संयंत्र में निर्मित की जा रही नई रेंज उद्योग में ब्रांड के नेतृत्व को मजबूत करती है

संवाददाता

लखनऊ। भारत की अग्रणी बाथवेयर और सैनिटरीवेयर निर्माता कंपनी प्रयाग पॉलिमर्स ने पीवीसी-ओ (ओरिएंटेड पॉलीविनाइल क्लोराइड) पाइप की पूरी रेंज लॉन्च की है। इन्हें उच्च दबाव वाले जल वितरण, सिंचाई और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। ये पाइप राजस्थान के भिवाड़ी में प्रयाग की अत्याधुनिक आईएसओ-प्रमाणित सुविधा में निर्मित किए जाते हैं। कुशल, टिकाऊ और पर्यावरण के लिए जिम्मेदार अगली पीढ़ी के पाइपिंग समाधान लाते हुए, प्रयाग के पीवीसी-ओ पाइप पीएन12.5, पीएन 16, पीएन20 और पीएन25 की दबाव रेटिंग में 90 मिमी से 400 मिमी तक के व्यास के साथ उपलब्ध हैं। पारंपरिक पाइपों की तुलना में 40: तक अधिक हाइड्रोलिक क्षमता प्रदान करते हुए, यह नई रेंज सॉकेटेड कनेक्शन के कारण तेज इंस्टॉलेशन का समर्थन करती है और अतिरिक्त फिटिंग की आवश्यकता के बिना लचीले अनुप्रयोग की अनुमति देती है। लॉन्च पर बोलते हुए श्री नितिन अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रयाग पॉलिमर्स कहा, ष्असाधारण यांत्रिक और हाइड्रोलिक प्रदर्शन के लिए इंजीनियर, प्रयाग पीवीसी-ओ पाइप उच्च प्रभाव प्रतिरोध, बढ़ी हुई लचीलापन, बेहतर हाइड्रोस्टेटिक ताकत और लंबी सेवा जीवन प्रदान करते हैं। प्रयाग में, नवाचार हमेशा हमारे संचालन के केंद्र में रहा है और पीवीसी-ओ पाइप की शुरुआत के साथ, हमने देश की बुनियादी ढांचे की मांगों को पूरा करने में अपना योगदान दिया है। प्रयाग पीवीसी-ओ पाइप आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक जल प्रणालियों के

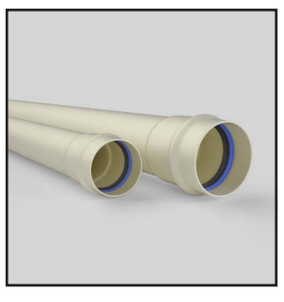

लिए विश्वसनीय विकल्प हैं। इन पाइपों का लॉन्च प्रयाग की नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और सतत विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। अपनी उत्पादन लाइनों के निरंतर उन्नत करने के साथ कंपनी अपने उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार कर रही है। मॉलिक्यूलर ओरिएंटेशन तकनीक से निर्मित इन पाइपों को विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए तैयार किया गया है। प्रयाग पीवीसी-ओ पाइप कृषि भूमि के सिंचाई तंत्र, आवासीय और व्यावसायिक इमारतों में उच्च दबाव जल आपूर्ति, अग्निशमन हाइड्रेंट नेटवर्क और खाद्य प्रसंस्करण व फार्मास्यूटिकल्स जैसे औद्योगिक उपयोगों के लिए उपयुक्त हैं। पीवीसी-ओ पाइपों का निर्माण आणविक ओरिएंटेशन प्रक्रिया पर आधारित है, जो उनकी यांत्रिक मजबूती और लचीलापन को काफी बढ़ाता है। यह तकनीक जल हथौड़ा प्रभाव, बायोफिल्म निर्माण और अत्यधिक परिस्थितियों में दरारों के प्रसार का बेहतर प्रतिरोध सुनिश्चित करती है। सामान्य पाइपों की तुलना में 15: से 40: अधिक हाइड्रोलिक क्षमता होने के कारण, ये पाइप न केवल किफायती उच्च दबाव वाला जल प्रवाह प्रदान करते हैं, बल्कि सॉकेटेड कनेक्शन के माध्यम से लागत प्रभावी स्थापना भी प्रदान करते हैं। इससे फिटिंग की आवश्यकता कम होती है और बैकफिलिंग आसान होती है। प्रयाग पीवीसी-ओ पाइप कठिन भू-स्थिति और प्रतिकूल मौसम में भी उत्कृष्ट मजबूती और 100 वर्षों से अधिक का जीवनकाल प्रदान करते हैं।

वाराणसी मंड़ल के रेलवे स्टेशनों पर क्रिक वाटरिंग सिस्टम

24 कोचों की ट्रेनों में पाँच मिनट में भर जाता पानी

संवाददाता

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंड़ल यात्रियों को संरक्षित, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही कोचों में पानी की त्वरित आपूर्ति हेतु मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर क्रिक वाटरिंग सिस्टम स्थापित कर रहा है। वाराणसी मंड़ल के बनारस, छपरा, मऊ, सहित 03 स्टेशनों पर क्रिक वाटरिंग सिस्टम स्थापित किये जा चुके हैं, बलिया स्टेशनों पर क्रिक वाटरिंग सिस्टम का कार्य प्रगति पर है। क्रिक वाटरिंग सिस्टम लग जाने से 24 कोचों की ट्रेनों में पाँच से छह मिनट में पानी रिफ्लि किया जा रहा है। क्रिक वाटरिंग सिस्टम से ट्रेनों में पानी की उपलब्धता, प्रेशर, मात्रा, खपत, फ्लो एवं पानी भरी जाने वाली ट्रेन का नम्बर इत्यादि एक ही स्क्रीन पर देखा जा सकता है, जिस पर वाटरिंग कार्य के आंकड़े रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिये उपलब्ध रहते हैं। इस सिस्टम से ट्रेनों में कम समय में पानी भरे जाने के कारण ट्रेनों का विलम्बन नहीं होता है तथा कोचों में पानी की उपलब्धता से यात्री संतुष्टि बनी रहती है। क्रिक वाटरिंग सिस्टम से कोचों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे यात्री संतुष्टि का स्तर बढ़ा है। अल्प समय में कोचों में पानी की आपूर्ति के लिए क्रिक वाटरिंग सिस्टम स्थापित किये जा रहे हैं। इस व्यवस्था के लग जाने से पानी भरने में आधे से कम समय लगता है।

क्रिक वाटरिंग सिस्टम तकनीकी से अल्प समय मे ही ट्रेनों में वाटर रिफ्लिंग का कार्य सम्पन्न हो जाता है। इस सिस्टम के उपयोग से 24 कोच की सामान्य गाड़ी में पानी भरने में मात्र 10 मिनट ही लगते हैं जिसका सर्वाधिक लाभ लम्बी दूरी की कम ठहराव वाली गाड़ियों के यात्रियों को सुविधा के रूप में मिलता है। पीआरओ अशोक कुमार ने कहा कि क्रिक वाटरिंग सिस्टम से जल संचयन भी होता है और जल प्रदूषण के स्तर पर भी नियंत्रण रखा जा रहा है।

क्विज कंप्टीशन से प्रतिभागियों के सामान्य ज्ञान और विषय-विशेष ज्ञान को बढ़ावा मिलता है : प्रो निशा सिंह

संवाददाता

सुलतानपुरा । राणा प्रताप पी जी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा क्विज कंपटीशन का आगामी विश्वविद्यालय परीक्षा के निमित्त किया गया। इसमें अंग्रेजी विषय की छवि कसौंधन, अंशिका मौर्य, आंचल विश्वकर्मा, खुशी गुप्ता, कीर्ति पाल, नीरज कुमार, गौतम, हेमंत राव, अनुराग कुमार, तृप्ति तिवारी, मनीष मिश्रा, सौम्या शुक्ला, आर्य मिश्रा सोनाली सुदर्शन, रेशमा बानो, रिया जायसवाल, फिज़ा सिद्दीकी, अर्पिता सिंह आदि ने प्रतिभाग किया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी ए सेकेंड सेमेस्टर की खुशी गुप्ता, बी ए चतुर्थ सेमेस्टर की मनीषा मिश्रा को द्वितीय स्थान, बी ए चतुर्थ सेमेस्टर के नीरज कुमार गौतम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो निशा सिंह ने विजेताओं को पुरुस्कृत करते हुए कहा कि क्विज कंप्टीशन से प्रतिभागियों के सामान्य ज्ञान और विषय-विशेष ज्ञान को बढ़ाना, प्रतियोगी भावना का विकास, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास और उत्साह पैदा करना, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाना, सीमित समय में उत्तर देने से तर्कशक्ति और त्वरित निर्णय क्षमता का विकास होता है। कार्यक्रम का सफल संचालन अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर ज्योति सक्सेना ने किया।

इंसानियत अगर जिंदा हो किसी भी प्राणी का जीवन बचाया जा सकता है

संवाददाता

सुलतानपुर। इंसानियत अगर जिंदा हो किसी भी प्राणी की जीवन बचाया जा सकता है। बीती रात सुल्तानपुर स्थित पांचोंपीरन में बेसहारा गाय ने अपने बच्चे को जन्म दिया। उसी के तुरंत बाद उसे बच्चे पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। वहां पर मौजूद रियासत अली ने बीती रात्रि 11 बजे कुछ उच्चाधिकारियों को फोन के जरिए गाय के बच्चे की इलाज के लिए आग्रह किया लेकिन उन्होंने उसे पर कोई कार्रवाई नहीं की। रात काफी हो गई थी और बच्चे की हालत गंभीर होती जा रही थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत कटक क्लब सामाजिक संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा को इस घटना के बारे में 12.00 बजे बताया गया इसके बाद संस्था की टीम मौके पर पहुंचकर जिला अधिकारी सुल्तानपुर को सूचना देने के बाद तत्काल प्रभाव से डॉक्टर मौके पर पहुंचकर गाय की बछड़े का समुचित इलाज किया। इस मौके पर कटका क्लब के अध्यक्ष सौरभ मिश्र सुल्तानपुर जिला अधिकारी का धन्यवाद देते हुए बताया कि गाय हमारी राष्ट्रीय माता को लेकर संस्था कार्य कर रही है। गाय की रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि जहां लोग एक जाति धर्म पर आरोप प्रत्यारोप करते है।

धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

परशुराम चौक चौराहे पर परशुराम युवा वाहिनी ने किए विविध आयोजन

संवाददाता

सुल्तानपुर । भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाने वाले भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है जिले भर में विविध कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ शहर के परशुराम चौक चौराहे पर परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक संगठन द्वारा विविध आयोजन किए गए सैकड़ो की संख्या में जिले वासियों की मौजूदगी में यहां भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष पूजा अर्चना की गई हवन पूजन संपन्न करा कर आरती उतारी गई कार्यक्रम के दौरान परशुराम चौक से डीजे की धुन पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में पैदल व बाइक सवार अनुनाई शामिल हुए.शोभायात्रा शहर के बस अड्डा डाकखाना चौराहा शाहगंज चौराहा चौक ठठेरी बाजार सब्जी मंडी होते हुए वापस परशुराम चौक पर संपन्न हुई.तत्पश्चात यहां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा. बुधवार की सुबह से ही परशुराम चौक चौराहे को ध्वज पताकाओं से भव्य रूप से सजाया गया जिले भर से सैकड़ो कार्यकर्ता कार्यक्रम में पहुंचे यहां आचार्य पंडित उमानाथ तिवारी ने भगवान परशुराम की अनुनाईयों के साथ पूजा अर्चना की आयोजित हवन कार्यक्रम में सैकड़ो अनुनाईयों ने पूर्ण आहुति दी वही शोभायात्रा में ध्वजा पताका लेकर शहर के मुख्य मार्गों पर निकले इस दौरान भगवान परशुराम के दर्शन का सिलसिला जारी रहा वहीं उत्साहित कार्यकर्ताओं में सेल्फी का क्रेज देखा गया कार्यक्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया बीते कई वर्षों से भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है नगर पालिका के सभासद व संगठन के पदाधिकारियो के प्रयास से पालिका में जिलाधिकारी आवास चौराहे का नाम भगवान परशुराम के नाम पर घोषित किया गया.अब इस चौराहे को भव्य व अलंकृत रूप से सजाने की रूपरेखा बनाई जा रही है.महाकुंभ के अवसर पर भगवान परशुराम युवा वाहिनी के सदस्यों ने पूरे देश से आने वाले अतिथियों का जो स्वागत सत्कार किया उसकी चर्चा पूरे समाज में है.गरीब बेटियों की शादी हो या गरीब बच्चों की पढ़ाई लिखाई का जिम्मा दर्जनों ऐसे सामाजिक कार्य है जिसे परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक अपने समाज के सहयोग से संपन्न कर रही है. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विपिन मिश्रा एडवोकेट नीरज दुबे एडवोकेट डॉक्टर डी एस मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल भाजपा जिला उपाध्यक्ष आलोक आर्य संतोष पांडे एडवोकेट पीसीसी सदस्य योगेश पांडे तेज बहादुर पाठक अमित कुमार तिवारी सभासद प्रवीण मिश्रा गिरीश मिश्रा अखिलेश मिश्रा अरुण तिवारी रमेश सिंह टिन्नू भैया दीप सिंह बबिता तिवारी संगीता शुक्ला वरुण मिश्रा राजेश तिवारी, अखिलेश सिंह पर्वत अशोक सिंह बिसेन मोहित तिवारी पीयूष तिवारी अतुल पाठक अर्जुन पाठक रमेश मिश्रा अंकित श्रीवास्तव पत्रकार राजदेव शुक्ल समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे कार्यक्रम संपन्न कराने में आचार्य पंडित उमानाथ तिवारी की बड़ी भूमिका रही..

भारतीय परिचालन को लेकर निसान मोटर इंडिया ने कहा, 'हम यहां ठहरेंगे, जाएंगे नहीं'

संवाददाता

गाजियाबाद । भारत में अपने सतत विकास के रास्ते पर बढ़ते हुए निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने प्रदर्शन की दृष्टि से वित्त वर्ष 2024-25 में पिछले 7 वर्षों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अक्टूबर, 2024 में पेश की गई नई निसान मैग्नाइट के दम पर वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू बाजार में निसान ने 28,000 यूनिट्स से ज्यादा की बिक्री का आंकड़ा पार किया। भारत में बी-एसयूवी सेगमेंट में वैकल्पिक ईंधन को लेकर उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान के बावजूद कंपनी ने यह शानदार प्रदर्शन किया है। निर्यात के मोर्चे पर कंपनी ने 'वन कार वन वर्ल्ड' फिलॉसफी के तहत अपना परिचालन 20 से बढ़ाकर 65 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचा दिया है। कंपनी ने 71,000 से ज्यादा कारों के निर्यात का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करते हुए वैश्विक स्तर पर निसान के लिए मैन्यूफैक्चरिंग एवं निर्यात हब के रूप में भारत की भूमिका को मजबूती दी है। निर्यात के इस आंकड़े के साथ वित्त वर्ष 2024-25 में निसान की कंसोलिडेटेड (समेकित) बिक्री 99,000 से ज्यादा कारों की रही। इस शानदार प्रदर्शन को लेकर निसान इंडिया ऑपरेशंस के प्रेसिडेंट एवं एएमआईईओ रीजन बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट फ्रैंक टोरेस ने कहा, लोकप्रिय नई निसान मैग्नाइट ने कंपनी को एक वर्ष में 99,000 से ज्यादा कारों की बिक्री में सक्षम बनाया, जो वित्त वर्ष 2017-18 के बाद से अब तक की सर्वाधिक सालाना बिक्री है। इस साल एलएचडी बाजारों समेत नई निसान मैग्नाइट का निर्यात 65 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक किया गया है। ग्लोबल टर्नअराउंड एक्शन के तहत भारतीय परिचालन के पुनर्गठन को लेकर उन्होंने कहा, वार्षिक बिक्री के आंकड़ों ने हमारी इस प्रतिबद्धता को मजबूती दी है कि हम यहां ठहरेंगे, जाएंगे नहीं। मैं सुनिश्चित करना चाहूंगा कि हमारी भविष्य की योजनाएं और प्रोडक्ट पाइपलाइन यथावत है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, 'यह साल वाहन उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। इसके बावजूद नई मैग्नाइट बी-एसयूवी ग्राहकों के बीच पसंदीदा मॉडल बनी हुई है। हमारे डीलरशिप नेटवर्क का लगातार विस्तार पहुंच एवं कस्टमर सर्विस में सुधार की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम ऑल न्यू 7-सीटर बी-एमपीवी और 5-सीटर सी-एसयूवी की हालिया घोषणा के साथ आकर्षक प्रोडक्ट पोर्टफोलियो की पेशकश करने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर करने के लिए डीलर नेटवर्क का विस्तार करने पर फोकस कर रहे हैं।'

एटक द्वारा किया गया तीन दिवसीय कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन

संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। एनटीपीसी के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एटक यूनियन ने सीनियर छात्रों के लिए तीन दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कैंप का आयोजन किया । जिसमें कालोनी परिसर के तीनों स्कूलों सरस्वती विद्या मंदिर, डीएवी एवं चिन्मय विद्यालय के एक हजार से ज्यादा सीनियर छात्रों ने भाग लिया। जहां उन्हें इंजीनियरिंग, चिकित्सा, सिविल सर्विसेज, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कानून, प्रबंधन, रक्षा सेवाएं, पायलट प्रशिक्षण, फैशन टेक्नोलॉजी तथा मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर चयन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संशिक्षा एकेडमी के वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार, नीरज सोनी एवं अभिषेक निरंजन ने छात्रों को कैरियर चयन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के उपयोगी सुझाव दिए। कार्यक्रम के समापन समारोह में परियोजना प्रमुख अभय कुमार श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम को छात्रों के भविष्य निर्माण की दिशा में बहुत ही उपयोगी कदम बताया । उन्होंने बच्चों से कहा कि वो जिम्मेदारी लेने के लिए आगे बढ़े ।

एटक यूनियन के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन के माध्यम से आयोजित इस कैंप में छात्रों ने अपने भविष्य के लक्ष्यों के प्रति जिस प्रकार खुलकर संवाद किया और उन लक्ष्यों तक पहुँचने की जानकारी ली यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई । उन्होंने परियोजना प्रमुख, मानव संसाधन, विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं यूनियन के पदाधिकारियों सहित सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

विद्यालयों के प्रधानाचार्य गण, छात्रों, उपस्थित विभागाध्यक्ष, प्रियदर्शिनी महिला क्लब की अध्यक्षा एवं पदाधिकारियों सहित सभी उपस्थिति जनों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की । कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनुपमा श्रीवास्तव, अध्यक्षा (प्रियदर्शिनी महिला क्लब) झूमिता विश्वास, उपाध्यक्षा (प्रियदर्शिनी महिला क्लब), सत्यवान गुप्ता, प्रमुख (आईटी), डी एन मिश्रा, रवीन्द्र सिंह कुशवाहा, आर0 पी0 बाथम, अभिषेक कुमार यादव, रूपेश कुमार, रोहित, भीम राय सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

केदारनाथ बद्रीनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को अध्यक्ष प्रतिनिधि व सभासद ने किया रवाना

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली। कस्बे से केदारनाथ बद्रीनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओ को चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू एवं शांतीनगर की सभासद ऊषा त्रिपाठी ने दही चीनी खिला चन्दन टीका लगा कर रवाना किया। बताते चले की दो मई से केदारनाथ वही चार मई से बद्रीनाथ के कपाट खोले जाने है दोनों ही धामो पर यात्रा करने को कस्बे के शांती नगर के 15 भक्तो को जनप्रतिनिधियों सहित नगर की जनता ने विदाई दी। चेयरमैन प्रभात साहू ने कहा की ऐसी यात्राओ से जीवन मे सीखने का अनुभव मिलता है वही सभासद ऊषा त्रिपाठी ने कहा की 12 ज्योतिर्लिंगो मे से एक केदारनाथ एवं चार धामो मे से एक बद्रीनाथ के दर्शन से निश्चित ही वार्ड मे सदभाव समभाव की प्रेरणा जन जन मे प्रसारित होंगी। यात्रीगणो मे अमित त्रिपाठी, नवनीत त्रिपाठी, देशू चौरसिया, लकी चौरसिया, अमन गांधी, राहुल वैश्य, कमलेश सभासद, रिंकू डाक्टर, सुधाशु वैश्य, सूरज वर्मा, अभिषेक दुवेदी रवाना हुए वही मौके पर सभासद नुरुल हसन, धर्मेन्द्र वर्मा, प्रिंकल सिंह, राम जी श्रीवास्तव, सचिन त्रिपाठी, श्यामलाल वर्मा, प्रांशु श्रीवास्तव गौरांक सहित दर्जनों कस्बा निवासी मौजूद रहे।

बीडीओ वर्षा सिंह ने किया गौशाला का औचक निरीक्षण

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली। क्षेत्र की असनी गौशाला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बीडीओ वर्षा सिंह ने गौशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बीडीओ ने गौशाला में गायों की संख्या, उनकी स्थिति, भोजन, पानी और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान चौकीदार व चरवाहों को वृद्ध व कमजोर गौवंशो को अलग रखने व उनकी उचित देखभाल के निर्देश दिए। बताते चलें कि बीते तीन दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है।जो क्षेत्र की ग्राम पंचायत असनी स्थित गौशाला का बताया जा रहा है। हमारा संस्थान सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

IFSMN ने मनाया 40वां स्थापना दिवस

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में पत्रकारों ने साझा की चुनौतियां और समाधान

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आज इंडियन फेडरेशन ऑफ स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स IFSMN ने अपने 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, संपादकों और छोटे एवं मध्यम समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल लक्ष्मण पटेल एवं विशिष्ट अतिथि फेडरेशन के जॉइंट जनरल सेक्रेटरी अशोक कौशिक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फेडरेशन की दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष सुरेंद्र जिंदल ने की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने पत्रकारों के सुरक्षा हेतु सरकार से कानून बनाने की मांग की उन्होंने छत्तीसगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि मैंने पत्रकार सुरक्षा कानून बनवाया उसी प्रकार अन्य राज्यों में कानून बने उसके लिए हम संघर्ष कर रहे है उन्होंने कहा की राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार सुरक्षा कानून बनाना और उसे लागू करना अति आवश्यक है। वरिष्ठ पत्रकार एवं डायरेक्टर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया सुनील नेगी ने छोटे समाचार-पत्रों के प्रकाशन और विज्ञापन से संबंधित समस्याओं को लेकर मांग उठाई ष्थ्ैडछ के महासचिव लक्ष्मण पटेल ने आए हुए सभी पत्रकारों का आभार प्रकट करते हुए कहा की चालीसवें स्थापना दिवस के अवसर पर 40 पत्रकारों को 40 ग्राम चांदी से बने आभूषण से अलंकृत किया जाएगा, मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति दिल्ली के संयोजक रविंदर गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की जिन राज्यों की फेडरेशन कि जिस यूनिट ने अच्छा कार्य किया है उन्हे सम्मानित किया जाए। इसके साथ ही स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था की गतिविधियों से अवगत कराते हुए कहा की इस संस्था ने पत्रकारों एवं प्रकाशकों के हित में निरंतर संघर्ष किया है। पत्रकार पेंशन योजना को प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि वरिष्ठ पत्रकारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक ठोस और पारदर्शी पेंशन योजना लागू की जाए। कार्यक्रम में छोटे समाचार पत्रों को आने वाली समस्याओं पर भी गहन चर्चा की गई। पत्रकारों ने कहा कि समाचार पत्रों को कागज, विज्ञापन और प्रसार जैसे कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार छोटे और मध्यम समाचार पत्रों के लिए अलग से नीति बनाए जिससे उन्हें आर्थिक और तकनीकी सहायता मिल सके । आईएफएसएमएन के महासचिव लक्ष्मण पटेल ने इस मौके पर कहा कि संगठन पिछले 40 वर्षों से छोटे और मध्यम समाचार पत्रों की आवाज को बुलंद करता रहा है और आगे भी पत्रकारों के अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी पत्रकारों ने मिलकर पत्रकारिता की स्वतंत्रता और मजबूती के लिए एकजुटता का संकल्प लिया। गजियाबाद से प्रकाशित हिंद आत्मा दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक एवं फेडरेशन के जॉइंट जनरल सेक्रेटरी अशोक कौशिक ने कहा कि सरकार को समाचार पत्रों के प्रति लचीला रवैया और सहयोग पूर्ण माहौल बनाकर पत्रकारिता और समाचार-पत्रों के हित कदम उठाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर अतिथि पत्रकार अजय शर्मा को भी माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन फेडरेशन के दिल्ली के प्रभारी रजनीकांत तिवारी ने किया अतिथियों का स्वागत श्याम सुंदर एवं पवन कश्यप ने किया। इस अवसर पर पहलगाम के शहीदों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

घर में घुसकर युवकी की बेरहमी से पिटाई

संवाददाता, मोदीनगर। गांव अमीरपुर गढ़ी निवासी अमित कुमार ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले सुरेश पाल से मामूली बात पर विवाद हो गया था। इससे नाराज होकर पड़ोसियों ने सोमवार रात को घर में घुसकर अमित की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफतहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर सुरेशपाल, भारत चौधरी, आदेश, हिमांशु और नितिन के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की गई। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

खाते से 50 हजार रुपये निकाले

संवाददाता, मोदीनगर। गांव तिबड़ा निवासी अमित कुमार ने बताया कि बुधवार को वह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के पास एटीएम से पैसे निकालने गया था। वहां दो युवक पहले से मौजूद थे। आरोप है कि युवकों ने गुमराह कर उसका डेबिट कार्ड बदल दिया। जब अमित अपने घर पहुंचे तो उनके मोबाइल पर खाते से रकम निकलने के मैसेज आने लगे। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखी 15 हजार की नकदी व सोने, चांदी के आभूषण चोरी

संवाददाता, गाजियाबाद। थाना अंकुर विहार स्थित हयात कालोनी में दो दिन पूर्व चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखी 15 हजार की नकदी व सोने, चांदी के आभूषण चुरा लिए। घटना के समय पीड़ित परिवार समेत रिश्तेदारी में गया हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी है। हयात एनक्लेव कालोनी निवासी नितेश कुमार ने बताया कि वह दिल्ली जल बोर्ड में नौकरी करते है। करीब 15 वर्षों से परिवार समेत ग्रोथ इंडिया बिल्डिंग की पहली मंजिल स्थित मकान में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते है। वह शनिवार को परिवार समेत अपनी ससुराल रिश्तेदारी में गए थे। आरोप है कि सोमवार रात करीब 12 बजे जब वह घर पहुंचे तो देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर सारा सामन अस्त व्यस्त पड़ा था। बेडरूम में रखी अलमारी के लाकर का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि चोर घर से 15 हजार की नकदी, कागजात, एक मोबाइल और सोने का कड़ा, मंगलसूत्र, कान के झुमके, नाक की लॉग, हीरे कही अंगूठी समेत चांदी के आभूषण चुरा कर ले गए। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बताया कि देर रात घर से खटपट की आवाजें आ रही थी। उन्होंने सोचा कि संभवत आप लोग लौट आए है इसीलिए बाहर नहीं आए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। चोरों की तलाश की जा रही है।

ट्रक ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर

संवाददाता, गाजियाबाद। ट्रोनिका सिटी थाना के औद्योगिक क्षेत्र स्थित गेट नंबर दो के पास ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार युवक के पैर में गंभीर चोट आई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चालक की तलाश में जुटी है। दिल्ली शाहदरा के राम नगर कालोनी निवासी साहिल गर्ग ने बताया कि उनका भाई हर्षित गर्ग ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित टेक्सटाइल कंपनी में नौकरी करता है। मंगलवार दोपहर वह बाइक पर औद्योगिक क्षेत्र स्थित गेट नंबर दो से अंदर जा रहा था। तभी पीछे से तेज गति में आ रहे ट्रक ने भाई की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से भाई के पैर में गंभीर चोटें आई। घटना के बाद चालक ट्रक समेत फरार हो गया। भाई ने राहगीरों की मदद से पुलिस और परिजनों को सूचना देकर घायल को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में परिजनों ने चिकित्सक के कहने पर घायल को वैशाली स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल का उपचार जारी है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

तीस बीघा कृषि भूमि दिलाने के नाम पर 1.65 करोड़ रुपये की ठगी

संवाददाता, मुरादनगर। गौतमबुद्ध नगर निवासी एक व्यक्ति से तीस बीघा कृषि भूमि दिलाने के नाम पर 1.65 करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौतमबुद्ध नगर के चिपियाना बुजुर्ग निवासी योगेश शर्मा ने बताया कि गांव भिक्कनपुर निवासी अजीत राणा से तीस बीघा कृषि भूमि का सौदा किया था। इसके लिए 1.65 करोड़ रुपये बतौर पेशगी दी थी, जबकि बाकी रकम बैनामा होने के समय देने की बात तय हुई। आरोप है कि अजीत ने न तो जमीन दी और ना ही रकम वापस की। पीड़ित ने इस संबंध में एसीपी मसूरी सर्किल को शिकायत दी। योगेश शर्मा के अनुसार, 11 अगस्त 2023 को एसीपी कार्यालय में समझौता हुआ था कि अजीत 25 जनवरी 2024 तक रकम लौटा देगा, लेकिन अब तक कुछ नहीं मिला। अब उसने फोन भी उठाना बंद कर दिया है। पीड़ित ने डीसीपी ग्रामीण को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। डीसीपी ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए है। एसीपी मसूरी सर्किल ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस थाने में टॉफी-चॉकलेट लेकर बैठे अफसर

संवाददाता, गाजियाबाद। गाजियाबाद जनपद में पुलिस थानों में आने वालों से विनम्रता से पेश आने और व्यवहार में सुधार को लेकर जारी की गई शिष्टाचार संवाद नीति का असर थानों में दिख रहा है। वहीं, पुलिस थानों में पुलिसकर्मियों का व्यवहार बदला हुआ नजर आया। कविनगर थाने में थाना प्रभारी ने अपनी टेबल पर टाफी का डिब्बा लाकर रख दिया है। सिहानी गेट थाने में एक फरियादी के साथ आए बच्चे को पुलिसकर्मियों ने टॉफी और चॉकलेट दी। पुलिसकर्मी भी आपस में बात करते दिखे कि लोगों से किस तरह बात करनी है इसका भी अभ्यास करना पड़ेगा। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे हापुड़ रोड स्थित पुलिस ऑफिस में फरियादी कुर्सी पर बैठे दिखे। फरियादियों के लिए पंखे भी लगे हुए हैं। अपनी शिकायत डेस्क पर मौजूद पुलिसकर्मियों को बताकर आयुक्त से फरियादियों की लगातार मुलाकात कराई जा रही थी। कविनगर थाने में थाना प्रभारी योगेंद्र मलिक ने अपनी टेबल पर टॉफी का डिब्बा रख दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि सुबह से कोई बच्चा नहीं आया। किसी फरियादी के साथ बच्चा आने पर टॉफी दी जाएगी। स्टाफको भी लोगों से शालीनता से पेश आने का निर्देश दिया गया है। सिहानी गेट थाने में आगंतुक डेस्क पर एक बच्चे को टॉफी और चॉकलेट पुलिसकर्मियों ने दी। कमिश्नरेट के सभी थानों में मंगलवार को पुलिस अधिकारियों ने मातहतों को शिष्टाचार संवाद नीति के संबंध में ब्रीफकिया।

बाइक सवार दो बदमाशों ने युवती को लूटा फोन

संवाददाता, गाजियाबाद। थाना लोनी बार्डर क्षेत्र स्थित दिल्ली सहारनपुर रोड पर बाइक सवार दो बदमाशों ने ऑटो में जा रही युवती का मोबाइल झपट लिया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। थाना लोनी की न्यू विकास नगर कालोनी निवासी वीरेंद्र ने बताया कि सोमवार को बेटी दीक्षा किसी कार्य से ऑटो से शाहदरा दिल्ली जा रही थी। जब ऑटो दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित निजी अस्पताल के सामने पहुंचा तो उसके मोबाइल पर काल आया। वह बात करने लगी तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने बेटी से झपट लिया और लाल बाग कालोनी की ओर भाग गए। बेटी के शोर मचाने तक बाइक सवार बदमाश दूर तक निकल चुके थे। उन्होंने बताया कि बेटी की ऑनलाइन क्लास चलती है। इसी के चलते बेटी को मोबाइल दिलाया था। उन्होंने पुलिस से मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि बदमाशों की तलाश की जा रही है।

सम्पादकीय

मजदूरों का भारत

जिन हाथों ने इस देश की इमारतें बनाईं, वही आज रोटी, मकान और पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दिहाड़ी मजदूर सिर्फ श्रम नहीं करते, वे इस देश की नींव हैं- सबसे ज्यादा उपेक्षित भी। विकास की रफ्तार में उनका पसीना झलकता है, लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी जाती। क्या यही है न्यू इंडिया का सपना- जहां मजदूर अनदेखे, अनसुने और असुरक्षित रहें? बदलते दौर में जब तकनीक, पूंजी और ग्लैमर की दुनिया भारत को चमकाती नजर आ रही है, देश का एक बड़ा तबका ऐसा भी है जो उस चमक की नींव तो रखता है, लेकिन खुद अंधेरे में घुटता रहता है। यह तबका है- दिहाड़ी मजदूर। इनके कारण ही गगनचुंबी इमारतें बनती हैं, सड़कें तेज रफ्तार से चलती हैं और शहर सांस लेता है। लेकिन विडंबना यह है कि इन मजदूरों के जीवन में न स्थिरता है, न सुरक्षा, न पहचान और न ही संवेदनशीलता। दिहाड़ी मजदूरों की दुर्दशा न केवल आर्थिक है, बल्कि सामाजिक उपेक्षा और संस्थागत विफलताओं का भी परिणाम है। कोविड-19 महामारी हो या हाल की शहरी आपदाएँ, सबसे पहला और सबसे गहरा झटका इसी वर्ग को झेलना पड़ा। इन दिहाड़ी मजदूरों के लिए लॉकडाउन और आर्थिक मंदी जीवन-मरण का सवाल बन गई। सरकारी घोषणाओं में इनके नाम भले ही दर्ज हों, लेकिन आंकड़ों में इनका कोई विश्वसनीय रिकॉर्ड नहीं है और न ही योजनाओं के क्रियान्वयन में इन्हें प्राथमिकता दी जाती है। भारत का कार्यबल लगभग 500 मिलियन है, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। शहरी भारत का लगभग 72 प्रतिशत कार्यबल दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहा है। यह ष्बैकएंड इंडियाष्, जिसे कोई नहीं देखता, ष्फ्रंटएंड इंडियाष् की गति को बनाए रखने के लिए दिन-रात काम करता है। यह वर्ग न केवल भारत बल्कि सिंगापुर, दुबई, और खाड़ी देशों की आधुनिकता का आधार है। लेकिन विडंबना यह है कि इनके पास न तो कोई पहचान पत्र है, न ही कोई बीमा, न ही कोई स्थिर मेहनत और उपेक्षा। भारत में मजदूरों का संघर्ष नया नहीं है। ब्रिटिश काल में बॉम्बे मिल वर्कर्स मूवमेंट (गिरनी कामगार आंदोलन) से लेकर 1920 में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) की स्थापना तक मजदूर वर्ग ने खुद को संगठित किया और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई। 1 मई को श्मजदूर दिवसश् के रूप में मनाने की परंपरा भले ही शिकागो आंदोलन से शुरू हुई हो, लेकिन भारत के मजदूरों ने समय-समय पर ऐसे संघर्ष भी किए हैं, जिन्होंने सत्ता को हिलाकर रख दिया। लेकिन दुख की बात यह है कि 21वीं सदी में भी उनके मुद्दे वही हैं- न्यूनतम मजदूरी, सुरक्षा और सम्मान। फैक्ट्रियां, होटल, रेस्टोरेंट, निर्माण स्थल और डिलीवरी सेवाएं इन्हीं पर निर्भर हैं। ओला-उबर के ड्राइवर से लेकर राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय और प्लंबर तक यही हैं जो शहरों को चलाते हैं। लेकिन जब बात उनके अधिकारों की आती है तो सिस्टम खामोश हो जाता है बीमार हैं तो अस्पताल की कतार में नाम नहीं, बैंक है तो खाता नहीं और मजदूरी है तो पहचान नहीं। संक्रमण, अस्वस्थ वातावरण और मानसिक शोषण की तिहरी मार वे हर दिन झेलते हैं। - **विजय शंकर शर्मा**

पृथ्वी-दिवस के बाद का सवेरा : क्या बदला कुछ?

डॉ. राजाराम त्रिपाठी

हम पृथ्वी के साथ ऐसा बर्ताव कर रहे हैं, मानो हमारे पास रहने के लिए इसके अलावा ऐसे ही 8-10 ग्रह और भी खाली पड़े हैंष् रू डॉ राजाराम त्रिपाठी विश्व-पृथ्वी दिवस का दिन, 22 अप्रैल आया और चला गया धरती के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने के लिए हम इस दिन पर्यावरण के बारे में ढेर सारी चर्चाएँ करते हैं, पौधारोपण का दिखावा करते हैं, और सोशल मीडिया पर डिजिटल पिचकारी से हरे-भरे विचारों की बौछार करते हैं। क्या यह सबकुछ बस एक दिन की औपचारिकता बनकर रह गया है? क्या अगले दिन सब कुछ वैसे का वैसा ही रहता है, या फिर उस दिन की जागरूकता का कोई वास्तविक असर भी होता है? यदि आप भी यही सब सोच रहे हैं, तो मैं आपको बता दूँ कि अब यह हमारी आदत बन चुकी है।

बस कुछ हफ्तों बाद 5 जून को हम पर्यावरण-दिवस पर भी हम एक बार फिर अपनी जिम्मेदारियों के एहसास का भरपूर दिखावा करेंगे और फिर अगले दिन की सुबह तक, हर बार की तरह, वह सब कुछ एक बार फिर से भूल जाएंगे। जरा दिल्ली की सड़कों पर नजर डालिए। दिल्ली का तापमान 46.3एब् तक पहुंच गया है । सड़कों पर आग बरस रही है। बढ़ती गर्मी के रोजाना नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहे यह आंकड़े हमें यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि पृथ्वी दिवस की यह नौटंकी केवल एक वनडे-शो के जैसा है, न कि वास्तविक बदलाव की दिशा में कोई योजनाबद्ध ठोस कदम। क्या यह नहीं

दिखाता कि हम अपने पर्यावरण को लेकर किस कदर लापरवाह हैं? अगर हम इसे सच्ची चिंता समझते, तो क्या दिल्ली की सड़कों पर इतनी गर्मी और प्रदूषण होता? क्या यह समस्या उन नेताओं और जिम्मेदार संस्थाओं के लिए शर्म की बात नहीं होनी चाहिए जो हर साल अपनी भाषणबाजी से पर्यावरण दिवस मनाते हैं , बड़े-बड़े दावे करते हैं और फिर अगले ही दिन सब कुछ भूल कर फिर से कुर्सी-कुर्सी खेलने लग जाते हैं? आपने कभी गौर किया है कि 'स्वच्छ आकाश' और 'स्वच्छ भारत' जैसे अभियानों का क्या हुआ? सरकारी विभाग और संस्थान इन अभियानों में भाग लेकर अपने दफ्तर के दस्तावेजों में इनकी सफलता दर्ज कर देते हैं, बिल वाउचर बनते हैं और हमारे आपके जेब से गला दबाकर वसूले गए हमारी गाढ़ी कमाई के पैसे इन नौटंकियों में फूर्र हो जाते हैं। सच तो यह है कि इन अभियानों का कोई वास्तविक असर नहीं होता। हम बस एक दिन के लिए हम झूठी उम्मीदों का दामन थामते हैं, अगली सुबह हम फिर से उन्हीं काम धंधों में जुट जाते हैं, जिन्होंने धरती तथा पर्यावरण को इस लाइलाज अवस्था में पहुंचा दिया है। ऐसे में क्या यह नहीं लगता कि हम खुद को और अपनी धरती को, दोनों को धोखा दे रहे हैं? पश्चिमी विद्वान एल्डो लियोपोल्ड का एक उद्धरण है, ष्हम भूमि का दुरुपयोग करते हैं क्योंकि हम इसे अपनी संपत्ति मानते हैं। जब हम भूमि को एक समुदाय के रूप में देखते हैं, जिसमें हम सदस्य हैं, तभी हम इसे प्रेम और सम्मान के साथ उपयोग करना शुरू करते हैं। यह उद्धरण हमें यह याद दिलाता है कि जब तक हम अपनी भूमि और पर्यावरण को एक दूसरे से जुड़ी हुई इकाई के रूप में नहीं देखेंगे, तब तक हमारे कृत्य केवल दिखावा बनकर रहेंगे। लेकिन अगर इस संदर्भ में कोई सच्ची जागरूकता और काम किया जा रहा है, तो वह बस्तर जैसे आदिवासी समुदायों द्वारा किया जा रहा है।

बस्तर के आदिवासी प्राकृतिक संसाधनों के साथ सामंजस्यपूर्ण तरीके से रहते हैं, वे प्रकृति की महिमा समझते हैं और उसकी रक्षा के लिए सच्चे कर्म करते हैं। उनका जीवन एक उदाहरण है कि कैसे जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ा जा सकता है। फिर भी, हमारे महान नेता और जिम्मेदार अधिकारी इस प्रकार के उदाहरणों से सीखने के बजाय केवल कार्यक्रमों का आयोजन करके अपनी भूमिका पूरी कर लेते हैं। अब बात करते हैं उस ख़ास दिन, यानी 22 अप्रैल की। क्या होता है? लोग कार्यक्रम करते हैं, समाज सेवा के नाम पर कुछ पौधे लगाए जाते हैं, सरकारी अधिकारियों के भाषण होते हैं और फिर अगले ही दिन सब कुछ सामान्य हो जाता है।

इस दिन की कवायद को केवल एक कागजी कार्रवाई के रूप में देखा जाता है, जिसमें सरकारी विभाग अपने द्वारा किए गए कार्यों की लंबी लिस्ट तैयार करते हैं और मीडिया में बड़े-बड़े विज्ञापन दिखाए जाते हैं। लेकिन अगले दिन वही प्रदूषण, वही गर्मी, वही जलवायु परिवर्तन की समस्याएँ सामने आ जाती हैं। यह कोई एकल उदाहरण नहीं है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ कृ हर जगह इसी तरह के कार्यक्रम होते हैं, जहां दिखावा किया जाता है कि हम पर्यावरण के लिए चिंतित हैं। और सच तो यह है कि इन कार्यक्रमों के बाद ना तो प्रदूषण कम होता है, और ना ही तापमान में कोई फर्क पड़ता है। यह सिर्फहमारी खुद की आँखों में धूल झोंकने का काम करता है। अब सवाल यह उठता है कि क्या इस सबका कोई हल है? क्या हमें सचमुच इस स्थिति को बदलने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए? क्या हम उन आदिवासी समुदायों से कुछ सीख सकते हैं, जो हर दिन पर्यावरण की रक्षा करते हैं, अपनी परंपराओं को संजोते हैं और हर हाल में प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हैं? सत्यमेव जयते सत्य की ही विजय होती है, और सत्य यह है कि अगर हम इस दिखावे से बाहर नहीं निकलें और अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से नहीं लें, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी माफ नहीं करेंगी। दरअसल हम पृथ्वी के साथ ऐसा बर्ताव कर रहे हैं, मानो हमारे पास रहने के लिए इसके अलावा ऐसे ही 8-10 ग्रह और भी खाली पड़े हैं।

हकीकत तो यह है कि हम जिस धरती पर रहते हैं, वह हमारी माता है, और हम उसे ही नष्ट करने पर तुले हुए हैं। क्या हम सचमुच इस धरती के प्रति अपने धत् कृत्यों की कीमत चुका सकते हैं? अंत में, यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक हम धरती और उसके संसाधनों को केवल श्एक दिन के कार्यक्रम के रूप में देखेंगे, तब तक हमें कोई वास्तविक परिणाम नहीं मिलेगा। जब तक हम अपने दैनिक जीवन में बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक हमारे पृथ्वी दिवस और पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम बस एक ढोंग बनकर रहेंगे। इसलिए, हमें उस सत्य को स्वीकार करना होगा कि हमारी वर्तमान कार्यप्रणाली से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, जब तक हम अपने दृष्टिकोण और कार्यों में बदलाव नहीं लाएंगे।

पहलगाम नरसंहार-न आतंक बचेगा, न मददगार...अबकी बार होगा जोरदार प्रहार

दीपक कुमार त्यागी

दुनिया के स्वर्ग कश्मीर में एक बार फिर से इंसानियत का लहू सरेआम आतंकियों के द्वारा बहा दिया गया। पर्यटकों में से हिंदू को चिन्हित करके निर्ममता से हत्या कर देना, आतंकियों की जिहादी सोच और बेहद खतरनाक मंसूबों को दर्शाने का कार्य करता है। लेकिन अब वह समय आ गया है जब जम्मू-कश्मीर राज्य में नब्बे के दशक से शुरू हुए आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया कर देना चाहिए। केंद्र व राज्य सरकार को अब राजनैतिक नफा-नुकसान के गुणा-भाग से ऊपर उठ इजराइल की तरह पाकिस्तान के प्रयोजित आतंकवाद के खिलाफ धरातल पर ऐसी ठोस सख्त कार्रवाई करनी चाहिए की इन आतंकियों व उनके आकाओं की रूह तक कंपा जाए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में घूमने के लिए आये हुए पर्यटकों से मंगलवार की दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच धर्म पूछ कर हिंदू पर्यटकों की गोलीमार कर के निर्ममता से हत्या कर दी गयी। आतंकियों की गोलीबारी में अब तब 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई है और दो दर्जन से अधिक लोग घायल है। जिसके बाद से ही देश व दुनिया में भारत के अगले कदम के बारे में सोचकर के हड़कंप मचा हुआ है। इस घटना के बाद विदेश दौरे पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना दौरा बीच में छोड़कर के भारत वापस आ गये हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने खुद घटना स्थल पर जाकर दौर किया है। राजधानी दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक देश के शीर्ष नेतृत्व की हाईलेवल बैठकों का दौर जारी है। इस जघन्य घटना को अंजाम देने के ढंग पर ध्यान दें तो आतंकियों ने एक बार फिर से भारत की भूमि पर इजराइल हमले की व आईएसआईएस के हमलों की दर्दनाक यादों को दोहराने का काम किया है। सूत्रों के अनुसार इस जघन्य आतंकी घटना में मरने वाले लोगों में से दो स्थानीय, दो विदेशी के अलावा बाकी नागरिक देश के विभिन्न राज्यों के रहने वाले हैं, जिनके घरों में इस जघन्य घटना के बाद से ही कोहराम मचा हुआ है। जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल मंगलवार की दोपहर को अपने आकाओं के नापाक मंसूबों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान परस्त देशी व विदेशी आतंकियों के एक समूह ने निहत्थे-निर्दोष पर्यटकों से उनका धर्म पूछ करके हिंदू होने पर उन लोगों की बेहद निर्ममता से हत्या की है, वह पाकिस्तान के इन भाड़े के पिट्ठुओं की इंसानियत को शर्मसार करने वाली बेहद ही कायराना व धूर्तता पूर्ण हरकत है। आतंकियों के द्वारा पर्यटकों से धर्म पूछना और हिंदू होने पर उन पर निर्दयता से गोली चलाना जघन्य नरसंहार के साथ-साथ बेहद ही संवेदनशील विषय है। नियम-कायदे कानून पसंद लोगों को लगता है कि यह सब आतंकियों की इस घटना के बाद देश में धार्मिक दंगा फसाद करवाने की एक बहुत बड़ी गहरी सोची-समझी साजिश भी हो सकती है। इसलिए देश व समाज हित में हम सभी लोगों को धार्मिक उन्माद के माहौल से बचना होगा। हमें हमेशा याद रखना होगा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, लेकिन उसके बावजूद भी इस क्षेत्र में पिछले कई दशकों से पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने का काम निरंतर कर रहा है।

इस आतंकवाद के चलते भारतीय लोगों के लहू से बार-बार कश्मीर घाटी की धरती से लाल होती रहती है। घाटी के इस क्षेत्र से आतंकवाद समाप्त करना आज भी भारत सरकार के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बना हुआ है। लेकिन अब वह समय आ गया है जब कश्मीर घाटी से आतंकियों की पूरी तरह से कमर तोड़ कर उसको समाप्त कर देना चाहिए। इसके लिए आतंकवाद के खिलाफ इस निर्णायक युद्ध में भारत सरकार को कश्मीर घाटी में अब बेहद सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को आतंकियों की मजहब के आधार पर मदद करने व पनाह देने वाले जिहादी और देशद्रोही लोगों के खिलाफ ष्योगी मॉडलष् की तरह सख्त कार्रवाई करते हुए उनको जेल की सलाखों के पीछे भेज देना चाहिए। वहीं आतंकियों के आका पाकिस्तान को इजराइल की तरह सख्त जवाब देना चाहिए, तब ही देश में पाक परस्त आतंक पर आने वाले समय में लगाम लग सकती है। वैसे देखा जाए तो यह हमला एक बेहद ही सोची-समझी साजिश है, क्योंकि जिस वक्त भारत में अमेरिकी के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस परिवार के साथ आये हुए हों और वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी विदेशी दौरे पर गये हुए हों, ऐसी स्थिति में निहत्थे लोगों से धर्म पूछ-पूछ कर के हिन्दू पर्यटकों को चिन्हित करके उनकी गोली मारकर हत्या कर देना, झकझोर देने वाला एक बहुत ही बड़ा कायराना हमला है। यह हमला सनातन धर्मावलंबियों के साथ-साथ देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करके उसको खंड-खंड करने का एक बहुत खतरनाक दुस्साहस है। हालांकि हमारे नीति-निर्माताओं को आतंकियों के खात्मे के लिए देश से उनके स्लीपर सेल व उनको पनाह देने वाले लोगों को चिन्हित करके उनको खत्म करना ही होगा, तब ही देश में हम व हमारी आने वाली पीढ़ी अमचौन से रह सकती है।

दुनिया में मिनी स्वीटजरलैंड के नाम से प्रसिद्ध कश्मीर घाटी में जिस तरह से धर्म पूछ-पूछ कर हिंदुओं की टारगेट किलिंग आये दिन होती रहती है, यह क्षेत्र की डेमोग्राफी में बदलाव करने की बहुत बड़ी साजिश है, जिसका प्रभाव स्पष्ट रूप से अब वहां के धरातल पर नजर भी आता है, यह क्षेत्र अब लगभग हिंदू विहीन हो चुका है। धारा 370 हटने के बाद इस क्षेत्र में हालात बेहतर होने के बाद भी भय के चलते ही कश्मीर घाटी के हिंदू अपने घरों में वापस आने के लिए तैयार नहीं हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों के बावजूद भी इस क्षेत्र के हिंदू परिवार घाटी में वापस आकर रहने के लिए तैयार नहीं है और उनकी शंकाओं पर आये दिन हिंदुओं की टारगेट किलिंग की घटनाएं मौहर लगाने का काम करती हैं। हालांकि देश में मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से ही जम्मू-कश्मीर के क्षेत्र में सरकार व सिस्टम की कार्यशैली में बड़ा बदलाव आया है, मोदी सरकार में आतंकियों के विरुद्ध स्वतंत्रतापूर्वक कार्रवाई करने का सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से नजर आता है। लेकिन फिर भी कहीं ना कहीं मोदी सरकार के मंसूबों को घाटी में आशा के अनुरूप अभी तक सफलता नहीं मिली है, क्योंकि इस क्षेत्र के कुछ लोगों की जहरीली जिहादी सोच उसमें बहुत बड़ी बाधक है। आज भी उस जहरीली जिहादी सोच के चलते ही भारत व इंसानियत के सबसे बड़े दुश्मन आतंकियों को कश्मीर घाटी के कुछ घरों में पनाह मिल जाती है, हालांकि भारत सरकार इस स्थिति पर निरंतर पैनी नजर रखें हुए हैं। लेकिन देश व समाज हित में अब वह समय आ गया है कि जब जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी निवास करने वाले हर देशभक्त नागरिकों का कर्तव्य है कि वह मानवता के लिए बेहद घातक ऐसी जहरीली जेहादी मानसिकता की समय रहते हुए पहचान करके उनका डटकर के मुकाबला करें और स्थाई इलाज करें, आतंकवाद के मुद्दे पर हम सभी लोगों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर के एकजुट होना ही होगा। समय रहते इन जहरीले जेहादियों को सबक सिखाना पड़ेगा। वैसे भी हमें समय रहते विचार करना होगा जो व्यक्ति देश का नहीं हुआ, तो वह हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों का क्या होगा। मानवता की रक्षा के इस गंभीर विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी को आतंकवाद के इस गंभीर समस्या का अब स्थाई समाधान करना चाहिए। मैं जघन्य नरसंहार में आतंकियों का निशाना बने लोगों के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान देकर उनको आत्मा को शांति प्रदान करें।

सबसे अच्छी बात और सबसे बुरी बात

(संजय पराते)

यह दुख की बात है कि पहलगाम में पाक-प्रायोजित आतंकी हमले के बाद भाजपा और संघी गिरोह पूरे देश में मुस्लिम विरोधी माहौल बना रहा है। इसके नतीजे में जगह-जगह कश्मीरियों पर और मुस्लिमों पर हमले हो रहे है। इस बात को साफतौर पर समझने की जरूरत है कि हमारी असली लड़ाई पाकिस्तान के सत्ताधारियों और आतंकवादियों से है, मुस्लिमों से नहीं और न ही पाकिस्तान की उस जनता से, जो हमारी तरह ही बेरोजगारी, भूख, गरीबी, जहालत और सरकारी दमन की भट्टी में जल रही है। दोनों ओर की आम जनता की लड़ाई तो एक है, लेकिन दोनों ओर की सत्ताधारी पार्टियां अपने राजनैतिक स्वार्थों के लिए उसका इस्तेमाल कर रही है। इस आतंकी हमले के इतने दिनों बाद भी हमारे परिधान मंत्री के श्रीचरण कश्मीर में नहीं पड़े हैं। वे प्रचार मंत्री बनकर बिहार में आतंकवादियों को ललकार रहे हैं, पाकिस्तान पर गरज रहे हैं, लेकिन बरसेंगे कब, इसका किसी को अता-पता नहीं है। संघी मीडिया इस आतंकी हमले को हिंदुओं पर मुस्लिमों के हमले का रूप देने में लगा है। सबको पता है कि नफरत की जो फसल बोई जा रही है, बिहार चुनाव में कटेगी और संघ-भाजपा को सत्ता के और करीब ले जायेगी। पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ने की घोषणा भी इसी तरह की है। पूरे देश में युद्ध का उन्माद फैलाया जा रहा है, पुलवामा की तरह। तब भी संघी गिरोह इसी तरह गरजा था। उसने पाकिस्तान और आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने की कसमें खाई थीं, ठीक वैसी ही, जैसी पहलगाम मामले में खाई जा रही है। लेकिन पुलवामा की असलियत आज तक जनता के सामने नहीं आई, पुलवामा के आतंकी हमले की जिम्मेदारी आज तक मोदी सरकार ने स्वीकार नहीं की। ऐसा ही हाल पहलगाम पर हमले का होने वाला है। भारत में अटल राज की कृपा से पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश बन चुका है। संघी गिरोह की विदेश नीति हमेशा विफल रही है। मोदी राज भी इसी का प्रमाण है। आज हमारे देश की किसी भी पड़ोसी देश से अच्छी मित्रता नहीं है। इसलिए यदि हमारे न चाहने के बावजूद कोई युद्ध होता है, तो न चीन हमारा समर्थन करने वाला है और न अमेरिका हमारे साथ आने वाला है। भारत की सैन्य शक्ति पाकिस्तान पर कितनी भी भारी क्यों न हो, उसकी परमाणु संपन्नता उसे हमारी बराबरी पर ला खड़ा करती है। पिछले दस सालों में निजीकरण की नीतियों के कारण रक्षा उद्योग में हमने अपनी आत्मनिर्भरता खो दी है। हमने शोध और विकास पर जितना भी खर्च किया हैं, जितनी भी नई तकनीक ईजाद की है, वह मस्जिदों को खोदकर मंदिरों को ढूंढने के लिए तो कारगर है, लेकिन दुश्मन देश की सेनाओं का और उसकी सैन्य तकनीक का मुकाबला करने के लिए नहीं। गोदी मीडिया से परे की रिपोर्ट बता रही है कि पिछले दस सालों से हम मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम का खेल ही खेलते रहे, पाकिस्तान उन्नत अस्त्र-शस्त्रों और तकनीक से लैस होता गया है। अपनी सेनाओं को अग्निवीरों को ठेके पर देने का नतीजा यह हुआ है कि जल, थल, वायु की तीनों सेनाएं नियमित और प्रशिक्षित सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही है। युद्ध किसी का भला नहीं करता और युद्धरत देशों की आम जनता का भला तो करता ही नहीं। परमाणु संपन्न देशों की लड़ाई का नतीजा आम जनता के लिए सिवा तबाही के और कुछ नहीं होगा।

चर्चित राजनीति

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय डी-206,सी, विभूतिखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ

क्लासीफाइड्स

अपने साधारण व्यवसायिक वर्गीकरण विज्ञापन को क्लासीफाइड डिस्पले में आकर्षक डिजाइन के साथ प्रकाशित करवाएं

न्यूनतम साइज 4 सेमी X 3 सेमी

अधिकतम साइज 25 सेमी X 3 सेमी

दर- रु . 70रु/- प्रति स्क्वॉयर सेमी

क्लासीफाइडस विज्ञापन पर विशेष ऑफर

स्कीम 2+1, 3+2, 5+5, 10+12, 12+20

300 रू. 25 शब्दों तक, ऑफर 8 रु. प्रति शब्द अतिरिक्त 50 शब्द अधिकतम, वर्गीकरण डिस्पले 70 रु. प्रति स्क्वॉयर सेमी

शर्ते-विज्ञापन सर्वेक्षण नगद भुगतान पर एक साथ बुक कराना अनिवार्य है। विज्ञापन संबंधित कॉलम में ही प्रकाशित होंगे।

क्लासीफाइडस बुकिंग से संबंधित जानकारी हेतु सम्पर्क करें:-

फोन नं0-0522-4075237

पुरूषार्थ के प्रवाह और परमार्थ के निर्वाह का नाम है परशुराम

सुरेश पचौरी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु के दस प्रधान अवतार हुए हैं । भगवान परशुराम इनमें से छठवें अवतार माने जाते हैं । भृगुवंश को यह गौरव प्राप्त है कि इस वंश में ईश्वर का अवतार हुआ । ईश्वर का यही एक अवतार है जो ऋषिकुल में हुआ । वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि (अक्षय तृतीया) के दिन महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के यहां भगवान परशुराम का जन्म हुआ । भगवान परशुराम सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं । उनकी पितृ भक्ति सर्वविदित है । भगवान परशुराम का जीवन वृत्त एक ऐसे युग पुरुष की शौर्य गाथा है जिसने अन्याय और अत्याचार के खिलाफसतत् संघर्ष कर न्याय, नीति और धर्म का शासन स्थापित किया । महर्षि जमदग्नि ने परशुराम जी को वेदों का अध्ययन कराया । कश्यप ऋषि ने उन्हें मंत्र दीक्षा दी । उन्होंने कैलाश पर्वत पर जाकर भगवान शिव की अराधना की । परशुराम के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें समस्त दिव्यास्त्र प्रदान किये, उनमें परशु (फरशा) प्रमुख था । परशु धारण करने के कारण उनका नाम परशुराम पड़ा । शास्त्र प्रमाण के अनुसार भगवान परशुराम ने प्रभु श्री राम को दिव्य धनुष प्रदान किया जिससे उन्होंने रावण का वध किया । उन्होंने श्री कृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान किया । भगवान बुद्ध को परम ज्ञान भी भगवान परशुराम की तपोस्थली गया जी में प्राप्त हुआ । भविष्य में कलियुग में धर्म की स्थापना तथा अत्याचारियों के विनाश के लिए' 'कल्कि अवतार'' होगा जिन्हें शस्त्र एवं शास्त्र की दीक्षा भगवान परशुराम ही देंगे । महाभारत में इस बात का उल्लेख है कि भीष्म पितामह, गुरूद्रोण तथा कर्ण को शस्त्र विद्या का ज्ञान भगवान परशुराम ने ही दिया था । भगवान परशुराम पंचमहावीर के नाम से भी विख्यात हैं। पराक्रम महावीर, दयावीर,दानवीर, धर्मवीर एवं विद्यावीर । गोस्वामी तुलसीदास ने रामायण में भगवान राम और परशुराम के संवाद का वर्णन करते हुए लिखा है नाथ शंभु धनु भंजन हारा, हुई है कोऊ एक दास तुम्हारा''। अर्थात भगवान श्री राम ने स्वयं परशुराम जी को अपने पूज्य की संज्ञा प्रदान की। परशु प्रतीक है पराक्रम का, और राम पर्याय हैं सत्य, सनातन के । अत: परशुराम का अर्थ हुआ पराक्रम के कारक और सत्य के धारक।शस्त्र प्रतीक है नियंत्रण का, शास्त्र प्रतिनिधि है सृजन का । शस्त्र से ध्वनित होती है शक्ति तथा शास्त्र में प्रतिबिम्बित होती है शांति । परशु से झलकता है पुरूषार्थ और राम के मायने है परमार्थ । अर्थात पुरूषार्थ के प्रवाह से और परमार्थ के निर्वाह का नाम है परशुराम''। भगवान परशुराम का अवतरण ऐसे समय में हुआ जब पृथ्वी पर निरंकुश, अत्याचारी राजाओं से प्रजा दुखी थी । मंदाध राजा सहस्त्रबाहु ने परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि के आश्रम को तहस-नहस कर दिया एवं वह उनकी कामधेनु गाय को छीनकर ले गया । परशुराम एवं सहस्त्रबाहु के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें परशुराम जी ने सहस्त्रबाहु का वध कर दिया । एक दिन भगवान परशुराम जी की गैर मौजूदगी में सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने महर्षि जमदग्नि की हत्या कर दी । मां की आर्त पुकार सुनकर परशुराम जी ने आततायियों के संहार का संकल्प लिया तथा सहस्त्रार्जुन के पुत्रों सहित उन सभी राजाओं का वध कर दिया जो अन्यायी निरंकुश तथा राजधर्म से विमुख थे । भगवान परशुराम ने केवल उन्हीं राजाओं को दण्डित किया जिनके राज्य में न तो विद्या की सेवा थी, न ही तप का सम्मान था, और न ही सत्य का शासन था । इन दुराचारी राजाओं का संहार कर उन्होंने इनके स्थान पर योग्य, सदाचारी एवं धर्मानुकुल शासन करने वालों को बैठाकर पृथ्वी पर शांति और विधि व्यवस्था कायम की । कई बार इतिहास और लोक गाथाओं में अपने नायक की कीर्ति बखान करने के लिए अतिरंजक बातें नत्थी कर दी जाती हैं । परशुराम जी के साथ भी यही हुआ, इस पराक्रमी योद्धा के लिए कहा गया कि उन्होंने इक्कीस बार आर्यावर्त को क्षत्रिय विहीन कर दिया । यह भ्रामक है । परशुराम जी ने सिर्फ अत्याचारी एवं राजधर्म से विमुख राजाओं को ही दण्डित किया था । अगर परशुराम जी ने सभी क्षत्रिय राजाओं का वध किया होता तो राजा दशरथ, राजा जनक और भी कई तत्कालीन क्षत्रिय राजा उस काल में नहीं होते । परशुराम जी संहार और निर्माण दोनों में कुशल थे । उन्होंने जाति नहीं अवगुण का विरोध किया था। भगवान परशुराम के अवतार का उदेश्य सहस्त्रबाहु या अन्य राजाओं का संहार कर पृथ्वी पर शांति व धर्म का राज्य स्थापित करने तक ही सीमित नहीं था, उन्होंने इससे भी अधिक कई महत्वपूर्ण काम किये । उन्होंने ऋषियों के सम्मान की रक्षा की और यह तथ्य स्थापित किया कि ज्ञान और तप का सम्मान सबको करना ही होगा । भगवान परशुराम महादानी थे । उन्होंनें सारी पृथ्वी जीतकर महर्षि कश्यप को दान में दे दी तथा स्वयं तपस्या करने महेन्द्र पर्वत पर चले गये । परशुराम जी ने भगवान दत्तात्रेय से दीक्षा प्राप्त कर भगवती त्रिपुरा की उपासना का लोक में प्रचार किया । उन्होंने ऋषिपत्नि अनुसुईया तथा लोपामुद्रा के सहयोग से नारी जागृति अभियान चलाया । युद्धकाल में हुए निराश्रित बच्चों तथा विधवा नारियों के जीवन यापन की व्यवस्था करवाई । उनका मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी प्रतिभा के अनुरूप काम मिलना ही चाहिऐ । सिद्धांतत परशुराम जी एक ऐसा सशक्त विचार हैं जो उच्चतम नैतिक व्यवस्थाओं की नींव पर ऐसे भारतीय समाज की संरचना चाहते है जो ब्रम्हतेज तथा छात्रतेज से भरपूर हो । भगवान परशुराम न्याय के देवता हैं । वे जनकल्याण के महानायक हैं । वे किसी एक जाति के नहीं अपितु सर्व समाज के महानायक हैं । अक्षय तृतीया भगवान परशुराम का अवतरण दिवस है । अक्षय तृतीया का सर्वसिद्धि मुहूर्त के रूप में विशेष महत्व है । इस दिन का प्रत्येक पल पवित्र है।अक्षय तृतीया का अर्थ होता है कभी क्षय नहीं होने वाला समय । पुराणों में इस बात का उल्लेख है कि इस दिन पितरों के तर्पण, दान, स्नान, जप और तप का अक्षय पुण्य मिलता है । यह दिन शुभ कर्म एवं मागंलिक कार्य करने का दिन है । भगवान परशुराम अतीत के गौरव ही नहीं बल्कि आज के सामाजिक दौर में वे और भी ज्यादा प्रासंगिक हैं । वे एक ऐसे प्रेरणापुंज है जिनकी शिक्षाओं और आदर्शो पर चलने से समाज में नई रोशनी का संचार होता है । नीति, साधना, शक्ति और युक्ति से जीने का सूत्र ही भगवान परशुराम का संदेश है । इसी मूलमंत्र से व्यक्ति का समग्र विकास होगा, परिवार गुणी एवं समृद्ध होगा, समाज सुसंस्कृत होगा तथा सभी समाज, राष्ट्र की समग्र शक्ति बनेंगे । हम उनके साहस, त्याग, तपस्या और संगठन शक्ति का अनुसरण करें, यही भगवान परशुराम की सच्ची आराधना होगी ।

51 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत समारोह संपन्न

(संवाददाता)

औरैया। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर ब्राह्मण समाज औरैया द्वारा 51 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत समारोह श्री उमा प्रेम सत्संग आश्रम, फफूंद रोड औरैया मे आयोजित किया गया। लगातार 11 वर्षों से संचालित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती व भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। आचार्य पंडित आनन्द तिवारी ने ब्राह्मण समाज के युवाओं को वैदिक मंत्रोचार व पूजन विधि के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार को ग्रहण कराया। उन्होंने यज्ञोपवीत के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में कुल 16 संस्कार हैं जिनमें से यज्ञोपवीत संस्कार विशेष महत्व रखता है। इसे उपनयन संस्कार भी कहते हैं। इस संस्कार के बिना एक ब्राह्मण अपूर्ण माना जाता है। वहीं कार्यक्रम संयोजक, प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्मण महासभा नीरज चौधरी ने समाज के लोगों से बुराईयों से दूर रहने की अपील की। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक आचार्य मनोज अवस्थी ने कहा कि यज्ञोपवीत संस्कार में धारण किया जाने वाला जनेऊ तीन धागों से बना होता है जो कि तीनों ऋणों का प्रतीक माना जाता है। उक्त कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ब्राह्मण महासभा प्रवीण द्विवेदी, कोषाध्यक्ष देवेंद्र पांडे, हेमेंद्र पाण्डेय सहित बटुकों के परिवारी जन उपस्थित रहे।

मिर्चवारा कोटेदार ने काला बाजारी कर बेच दिये चावल

207 बोरियां चावल की पकड़ी गयी कालाबाजारी

(संवाददाता)

ललितपुर। माह अप्रैल में आवश्यक वस्तुओं का वितरण प्रतिशत कम होने पर पूर्ति निरीक्षक चन्द्रशेखर सहाय ने अपनी टीम के साथ बीती 26 अप्रैल 2025 को अपराह्न 3 बजे ब्लाक बार के ग्राम मिर्चवारा का औचक निरीक्षण किया। जहां मौके पर दुकान अकारण ही बंद पायी गयी और विक्रेता भी उपस्थित नहीं मिले। गांव में विक्रेता की बहू सपना राजा पत्नी हरेन्द्र सिंह उर्फबब्लू मिली, जिन्होंने बताया कि विक्रेता ललितपुर गये हैं। जब विक्रेता के पुत्र सहायक संचालक हरेन्द्र सिंह से फोन पर बात की गयी तो कोई उत्तर नहीं मिला। इसके बाद मौके पर मौजूद टीम ने दुकान को सील कर नमूना ले लिया। टीम ने गांव में घूम-घूम कर राशन कार्ड धारकों से खाद्यान्न वितरण की जानकारी ली। टीम ने मौके पर एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों के मौखिक बयान दर्ज कराये, जिसमें व्यापक पैमाने पर अनियमित्तायें प्रकाश में आयीं। पूरे मामले की जानकारी जिलाधिकारी को दी गयी। डीएम के आदेश पर तैनात किये गये उप जिला मजिस्ट्रेट निशांत तिवारी को उक्त उचित दर विक्रेता की दुकान की सील खोलने के लिए नामित किया गया। बताया कि 28 अप्रैल को उप जिला मजिस्ट्रेट निशांत तिवारी की उपस्थिति

में कोटेदार बृजेन्द्र सिंह की दुकान का अवलोकन किया गया, जहां सील यथावत मिली। तदोपरांत विक्रेता के पुत्र हरेन्द्र सिंह की मौजूदगी में दुकान में रखे गेंहू को बाहर निकलवाकर गिनवाया गया, तो दुकान में 165 बोरियां गेंहू की पायी गयी, जिनमें प्रत्येक क्षमता 50 किग्रा की थी। जबकि दुकान में चावल की बोरियां नहीं मिली। हरेन्द्र ने बताया कि वह अपने पिता बृजेन्द्र सिंह के साथ दुकान का संचालन करता है।

जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने से मिलता सुकून

(संवाददाता)

ललितपुर। जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने में गजब की सुखद अनुभूति का एहसास होता है। ऐसे में बस यूं हीं मुंह से निकल जाता है कि एक बार रक्तदान कर देखो तो बड़ा ही सुकून मिलता है। यह कहना है अब तक 6 वीं बार रक्तदान करने वाले गांधीनगर के सुरेंद्र साहू। उन्होंने कहा कि पिता से रक्तदान करने की प्रेरणा मिलने के बाद स्वयं रक्तदान करने की ठान ली। अब तो ऐसा लगता है कि कब किसी जरूरतमंद का फोन आए और हमारे रक्त से उसकी जान बच सके। पिता से मिली प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए अब पुत्र को भी रक्तदान करने के लिए आगे बढाया हूं और 6 बार उससे रक्तदान कराया। वह कहते हैं कि रक्तदान करने की अब तो मानो आदत सी लग गई है और बस इसी स्लोगन के साथ रक्तदान करने को अग्रसर रहता हूं कि खून देकर देखो सुकून मिलता है। 28 वर्षीय सुरेंद्र साहू कहते हैं कि जब 18 की उम्र हुई तो पहली बार रक्तदान किया। शुरू में रक्तदान करने में अंदर से थोडा डर व असहज सा महसूस हो रहा था, लेकिन एक बार रक्तदान करते ही भय मन से भाग गया। उसके बाद तो उत्साह के साथ रक्तदान करने में आनंद आता है कि मेरा रक्त किसी को काम आया। अब तो इंतजार रहता है कि कब रक्त के लिए फोन आए और स्टाफ के भरोसे दुकान छोड़कर रक्तदान करने चला जाऊं। इनसे प्रेरणा लेकर निरंतर रक्तदान करता रहा हूं और कोशिश करता हूं कि साल में चार बार रक्तदान जरूर करें। पहले असंगठित कर्मकार मजदूरी यूनियन का सदस्य रहते हुए दान करता था और हूं। अमित प्रजापति का असंगठित कर्मकार मजदूरी में अध्यक्ष। कहना है कि रक्तदान करने के बाद सहसा यही मुंह से निकला था कि आज मेरा रक्त मेरे अपने के काम आया। ऐसे में लोगों से अपील है कि रक्तदान करने की दिशा में अपना कदम बढाएं और जरूरतमंद की जान अपना रक्त देकर बचाएं और दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करें। इस दौरान अमित प्रजापति, देवेंद्र साहू पत्रकार, महेंद्र, जगदीश आदि लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका क्षेत्र में अवॉर्ड हाउस का भव्य शुभारंभ

संवाददाता, ललितपुर। स्थानीय व्यवसायिक गतिविधियों को नया आयाम देते हुए डा.शादीलाल कॉम्प्लेक्स में अभय जैन द्वारा स्थापित अवॉर्ड हाउस का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिक, व्यापारीगण और समाजसेवी उपस्थित रहे। समारोह में फीता काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया गया, साथ ही मिठाई वितरण और पूजा-अर्चना का आयोजन भी हुआ। अवॉर्ड हाउस की खासियत यह है कि यहां एक ही छत के नीचे ग्राहकों को त्वरित प्रिंटिंग, गिफ्टिंग, कस्टमाइज्ड ट्रॉफी एवं अवॉर्ड्स, कॉर्पोरेट गिफ्ट्स और डिजिटल प्रिंटिंग सेवाएं मिलेंगी। प्रतिष्ठान की यह पहल स्थानीय ग्राहकों के लिए सुविधा का केंद्र बन सकती है, जहां विभिन्न सेवाएं समय और गुणवत्ता के साथ उपलब्ध होंगी। अभय जैन ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि लोग अलग-अलग जगह भटकने की बजाय एक ही स्थान पर अपनी सभी जरूरतें पूरी कर सकें। चाहे वह किसी इवेंट के लिए ट्रॉफी हो या कंपनी के लिए कस्टम गिफ्ट्स, सब कुछ यहीं मिलेगा।

सुदीति ग्लोबल अकादमी में अक्षय तृतीया पर्व धूमधाम से मनाया गया

(संवाददाता)

औरैया। शहर के सुप्रसिद्ध विद्यालय सुदिति ग्लोबल अकादमी में भगवान परशुराम के जन्म दिवस के अवसर पर भगवान परशुराम का पूजन एवं माल्यार्पण किया गया। भगवान परशुराम का पूजन अजीतमल ब्लॉक प्रमुख रजनीश पांडे एवं ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष नीरज चौधरी के द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर आए हुए अतिथियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष तिवारी ने अंग वस्त्र भेंट किए विद्यालय की निर्देशिका नीलम आनंद ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि परशुराम जयंती भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के जन्म का उत्सव है । पूरे भारत में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाने वाला यह शुभ अवसर हमें वीरता, सत्य, धार्मिकता और अनुशासन जैसे गुणों की याद दिलाता है। इस शुभ अवसर पर एडवोकेट शनि चतुर्वेदी एडवोकेट अंजुल चौबे, शुभम मिश्रा, सूरज तिवारी ,कपिल मिश्रा, संजीव पांडे ,अंकुर शुक्ला एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रचंड गर्मी में मौनी बाबा ने शुरू किया पंच अग्नि तप

उपलो से अग्नि प्रज्वलित कर विश्व कल्याण की कर रहे कामना

(संवाददाता)

इटावा। इटावा जनपद के बकेवर में बैशाख माह की प्रचंड दोपहरी में जहां धरती से लेकर आसमान तक गर्मी आग बरसा रही है। वहीं दिलीपनगर स्थित कंकणेश्वर महादेव मंदिर आश्रम में एक साधक खुले आसमान के नीचे पंच अग्नि के बीच तपस्या में लीन हैं। संत ने अपने चारों ओर लकड़ी और उपलों से अग्नि प्रज्वलित कर विश्व कल्याण की कामना के साथ 61 दिवसीय अग्नि तप प्रारंभ किया है। यह संत मौनी बाबा के नाम से प्रसिद्ध हैं, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से मौन व्रत धारण किए हुए हैं। बाबा की इस कठिन साधना को देखने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रोजाना सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे आश्रम पहुंच रहे हैं। आश्रम में मौजूद संत मनोजानंद ने बताया कि मौनी बाबा, मूलत: बकेवर क्षेत्र के सुनवर्षा गांव निवासी बृजेश हैं। लगभग पंद्रह वर्ष पूर्व उन्होंने सांसारिक मोह-माया का त्याग कर संन्यास ग्रहण किया और हठयोग साधना के तहत मौन धारण कर लिया। तब से वे कंकणेश्वर महादेव मंदिर आश्रम में रहकर कठोर तपस्या कर रहे हैं। गर्मी के मौसम में बाबा ने पंच अग्नि के बीच तपना प्रारंभकिया है। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक खुले आसमान के नीचे अग्नि के बीच साधना करते हैं। इसके बाद आश्रम परिसर में भजन-कीर्तन का आयोजन होता है,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। मौनी बाबा की इस अद्भुत साधना को लेकर क्षेत्र में श्रद्धा और कौतूहल का वातावरण बना हुआ है। स्थानीय लोग इसे आध्यात्मिक चेतना का केंद्र मानते हैं और बाबा के तप से क्षेत्र में सुख,शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

ब्यूटी पार्लर गई दुल्हन हुई गायब, 5 घंटे बाद लौटी

दूल्हे के पिता को हार्ट अटैक पड़ने से शादी टूटी

(संवाददाता)

इटावा। इटावा शहर में मंगलवार को एक शादी समारोह उस समय तनावपूर्ण स्थिति में बदल गया जब दुल्हन ब्यूटी पार्लर से अचानक लापता हो गई। करीब पांच घंटे बाद वह अपने माता-पिता के साथ बिना तैयार हुए गेस्ट हाउस लौटी। जिसके बाद दूल्हे ने शादी से इंकार कर दिया। जानकारी के अनुसार, यह मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मैरिज होम का है। जहां फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र की युवती की शादी एक युवक से तय हुई थी। शादी वाले दिन दुल्हन को तैयार होने के लिए एक ब्यूटी पार्लर भेजा गया था। जहां से वह पार्लर संचालिका को झांसा देकर गायब हो गई। परिजनों द्वारा कॉल करने पर उसका मोबाइल बंद मिला। दुल्हन के गायब होने की खबर जब दूल्हे और उसके परिजनों को मिली तो हड़कंप मच गया। इस तनाव में दूल्हे के पिता को दिल का दौरा पड़ गया, जिन्हें आनन-फानन में सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। रात करीब 10 बजे दुल्हन अपने माता-पिता के साथ गेस्ट हाउस लौटी, लेकिन बिना तैयार हुए। लेकिन दुल्हन आते हुए देख दूल्हे ने शादी करने से साफइनकार कर दिया। इस घटनाक्रम से आहत वधू पक्ष ने लड़के वालों पर अतिरिक्त दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस से लिखित शिकायत की। कोतवाल यशवंत सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दूल्हे पक्ष ने शादी से इनकार के अपने फैसले

को नहीं बदला। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। शादी टूटने से दोनों परिवारों में तनाव और गहमागहमी का माहौल बना हुआ है। कोतवाली इंस्पेक्टर यशवंत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि लड़की के पिता के द्वारा अतिरिक्त दहेज मांग करने का आरोप लगाया गया है।

विद्यालयों में खराब हैण्डपम्पों की सूची निरीक्षण कर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी करायें उपलब्ध

(संवाददाता)

औरैया। जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जूम मीटिंग के माध्यम से कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण में लेखपाल ध्कानूनगो द्वारा हस्थलिखित टिप्पणी अंकित किए जाने के कारण सही व सुस्पष्ट न होने से निस्तारण के संतुष्टि प्रतिशत में कमी आती है और संबंधित उप जिलाधिकारीध् तहसीलदार इस पर विशेष ध्यान न देते हुए हस्ताक्षर करते हुए कार्यवाही आगे प्रसारित कर देते हैं यह बहुत ही आपत्तिजनक है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उक्त से संबंधित प्राप्त टिप्पणी रिपोर्ट का कम्प्यूटरीकृत अंकन किया जाए अन्यथा की स्थिति में संतुष्टि प्रतिशत कम होने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने बढ़ते तापमान को दृष्टिगत रखते हुए पेयजलापूर्ति की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में आज ही निरीक्षण कर खराब हैण्डपम्पों की सूची उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह स्वयं संज्ञान लेकर भी खराब हैण्डपम्पों को आगामी तीन दिवस में ठीक कराएं। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वह गौआश्रय स्थलों में गौवंशों के चारा हेतु जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए भूसा भंडारण दान ध्खरीद के माध्यम से समय रहते सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी श्री त्रिपाठी ने बैठक में गेहूं खरीद की समीक्षा

करते हुए पाया कि लक्ष्य के सापेक्ष्य गेहूं खरीद कम हो रही है। उन्होंने संबंधितों को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने क्षेत्र के ग्रामों में कृषकों से संपर्क कर व्यवस्था बनाते हुए गांव में ही खरीद करते हुए लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि वह प्रात: 10रू00 बजे होने वाली जूम मीटिंग में जुड़ने के उपरांत (समीक्षा पश्चात) ही क्षेत्रीय भ्रमण पर प्रस्थान करें जिससे बैठक में कार्यों की समीक्षा सुनिश्चित हो सके और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए जा सके। उन्होंने कहा कि बैठक में न जुड़ने पर अनुपस्थित मानते हुए संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

अखिलेश की अंबेडकर से तुलना पर गर्म हुई सियासत

मुख्यालय पर भाजपा विधायक और कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

(संवाददाता)

इटावा। समाजवादी पार्टी कार्यकताओं के द्वारा लगाए गए एक होर्डिंग ने प्रदेश की सियासत में हलचल मचा दी है। वायरल हो रही इस तस्वीर में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की छवियों को आधा-आधा मिलाकर एक संयुक्त चेहरा दर्शाया गया है। भाजपा ने इस तस्वीर को डॉ. अंबेडकर का अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है।बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने इटावा के कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और सपा के खिलाफ नारेबाजी की। सदर विधायक सरिता भदौरिया और भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और एडीएम को ज्ञापन सौंपा। विधायक सरिता भदौरिया ने आरोप लगाया कि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अखिलेश यादव ने खुद को बाबा साहब के समकक्ष दिखाने की कोशिश की है। यह न केवल डॉ. अंबेडकर का अपमान है, बल्कि करोड़ों दलितों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। समाजवादी पार्टी के लोग पहले भी बाबा साहब का अपमान करते आए है फिर से कर रहे अखिलेश यादव माफी मांगे नहीं तो इस्तीफा दें।

शिक्षक संघ ने जिलाधिकारी से की भेंट

संवाददाता, इटावा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की जिला इकाई द्वारा जनपद में नए आए जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला का स्वागत वन्दन अभिनन्दन उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर किया गया। शिष्टमंडल ने भेंट वार्ता के समय जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया कि श्री ज्ञानचंद जैन वैद्य इंटर कॉलेज इकदिल के चयन बोर्ड के चयनित शिक्षक विद्यालय प्रशासन द्वारा निरन्तर प्रताड़ित किया जा रहे हैं। इस विद्यालय के बारह पीड़ित शिक्षक पिछले तीन महीने से अपने अवैधानिक रूप से कटे हुए वेतन,रोके गए एरियर्स एवं बोनस को पाने के लिए दर दर भटक रहे है। जिला संगठन पीड़ित शिक्षकों के साथ आपसे न्याय की गुहार लेकर आया है। जिलाधिकारी महोदय ने शिक्षकों की पीड़ा को गम्भीरता से सुना और शिक्षकों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। भेंट वार्ता के समय पर प्रांतीय मंत्री अरुण कुमार दुबे, जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह चौहान,जिला मंत्री मनोज कुमार त्रिपाठी, संगठन मंत्री अनिल कुमार सिंह,मीडिया प्रभारी सोमेश शर्मा,सुधींद्र कुमार सिंह, राजीव कुमार,नन्द कुमार, बड़े लाल,लालजी शर्मा, श्यामबाबू पटेल एवं अंजली यादव सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिती रही।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

संवाददाता, इटावा। इटावा जनपद के सिविल लाइन क्षेत्र में मुलायम सिंह कोठी के पास बुधवार सुबह किसान की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक की पहचान इकदिल थाना क्षेत्र के चितभवन गांव निवासी विजय सिंह (55 वर्ष) पुत्र नंदराम के रूप में हुई है। विजय सिंह मंगलवार को पक्का बाग इलाके में स्थित अपने रिश्तेदार के यहां एक शादी समारोह में शामिल होने निकले थे। बुधवार सुबह दिल्ली-हावड़ा रेलवे ट्रैक पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक के पास से एक डायरी बरामद हुई, जिसमें लिखे नंबरों के आधार पर परिजनों को सूचित किया गया। खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार विजय सिंह चार भाइयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आवश्यक कार्यवाही के बाद परिजनों को सौंप दिया। स्थानीय लोगों ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रशासन से रेलवे ट्रैक पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है,ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पुस्तिका की समीक्षा में धीमी प्रगति पाए जाने पर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

संवाददाता, औरैया। जिलाधिकारी डॉ0 इंद्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पुस्तिका के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान विभागीय कार्यों में आशातीत लक्ष्य पूर्ति न होने पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देशित किया कि शासन द्वारा प्राप्त होने वाले लक्ष्य को समयबद्धता से पूर्ण करने के लिए कार्य योजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य योजना के अनुरूप कार्य न करनेध् स्वयं द्वारा समीक्षा न किए जाने पर कार्यों की प्रगति में समय के अनुरूप वृद्धि नहीं होती है जिससे पोर्टल पर फीडिंग भी कम हो पाती है और शासन स्तर पर होने वाली समीक्षा में जनपद की रैंकिंग पिछड़ती है यह बहुत ही आपत्तिजनक है इसके लिए विभागीय अधिकारी को जिम्मेदार मानते हुए उनके विरुद्ध कार्यवाही कर शासन को अवगत कराया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने उपायुक्त स्वतरू रोजगार(डीसीएनआरएलएम), परियोजना निदेशक डीआरडीए, अधिशासी अभियंता जल निगम, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पर्यटन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी द्वारा शासन से प्राप्त लक्ष्य को समयबद्धता से पूर्ण न करने के कारण जनपद की रैंकिंग खराब होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभी समय रहते हर संभव प्रयास करके प्रगति में सुधार करना सुनिश्चित करें।

ई-सिक जागरूकता सत्र एवं मुफ्त चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

संवाददाता, ललितपुर। ललितपुर पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में ई-सिक जागरूकता सत्र एवं मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बताया गया है कि ललितपुर पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में एक ईएसआईसी जागरूकता सत्र सह मुफ्त चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 कामगारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ईएसआईसी अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को ई-सिक की विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का तत्काल समाधान भी किया। जागरूकता सत्र के उपरांत सभी उपस्थित लोगों का मुफ्त चिकित्सा परीक्षण किया गया तथा लगभग 150 कामगारों एवं कर्मचारियों को मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं। जिससे कार्यस्थल पर एक सकारात्मक एवं सहयोगी वातावरण का संचार हुआ। इस दौरान ईएसआईसी की ओर से मेडिकल ऑफिसरध्प्रभारी डा. रचना पिपरी, आईएमओ डा. पुष्पेन्द्र कुमार, आईटी एवं मुख्य फार्मसिस्ट राजेन्द्र सिंह राठौर, एएनएम सुश्री सुनीता कुमारी, सहायक अशोक कुमार, सहायक संतोष कुमार, सहायक सुश्री सोना देवी, सहायक सुश्री ज्वाला देवी, एलपीजीसीएल से अध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, एवं आदि मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया

संवाददाता, ललितपुर। सिद्धक्षेत्र श्रीचंडी मंदिर स्थित ब्राह्मण महामंडल धर्मशाला में ब्राह्मण महामंडल जिलाध्यक्ष अशोक पटैरिया की अध्यक्षता में अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सुबह 10 बजे सभी विप्रजनों की उपस्थिति में ब्राह्मण महामंडल जिलाध्यक्ष ने सीताराम गोस्वामी के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और स्वस्ति वाचन के साथ भगवान परशुराम की चित्र पर माल्यार्पण कर आरती पूजन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रामलीला हनुमान जयंती समिति अध्यक्ष ब्रजेश चतुर्वेदी, मदन शर्मा, पार्षद मनमोहन चौबे एड., संरक्षक सदस्य प्रेस क्लब पवन संज्ञा ने भगवान परशुराम के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। संगठन के पदाधिकारियों ने भगवान परशुराम को धूप-दीप अर्पित किए। कार्यक्रम उपरांत विप्रजनों को प्रसाद वितरण किया गया। सभी ने भगवान परशुराम को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रामेश्वर पटैरिया, सत्यप्रकाश तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, डा.मुकेश तिवारी, अंकित पटैरिया, बृजमोहन शर्मा, प्रमोद गोस्वामी, रज्जन चतुर्वेदी, बृजेश बबेले, अरविंद संज्ञा, हरिराम तिवारी, कामता प्रसाद शर्मा, राजेश शर्मा, राजू कांकर, अशोक कांकर, दयानंद तिवारी, अक्षय बोहरे, जगदीश प्रसाद गोस्वामी, गजेन्द्र ढिमोले, धनीराम शर्मा, परशुराम चतुर्वेदी, भूपेंद्र सरवैया, पत्रकार प्रमोद बबेले आदि उपस्थित रहे।

धर्म और सत्य की रक्षा के लिए भगवान परशुराम जी के जीवन से ले प्रेरणा : राममूर्ति तिवारी

संवाददाता, ललितपुर। भगवान परशुरामजी का जन्मोत्सव समाजवादी पार्टी कार्यालय में धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मीडिया प्रभारी राममूर्ति तिवारी ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव मौजूद रहे। संचालन जिला सचिव प्रमोद इमलिया ने किया। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी राममूर्ति तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम जयंती का सनातन धर्म में अत्यधिक महत्व है। भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और भगवान शिव के महान भक्त माने जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष परशुराम जयंती वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। भगवान परशुराम का जन्म माता रेणुका और ऋषि जमदग्नि के घर प्रदोष काल में हुआ था और उन्हें चिरंजीवी भी माना जाता है। इसी दिन अक्षय तृतीया का पर्व भी मनाया जाता है।

अक्षय तृतीयाः ठाकुर बांके बिहारी के चरण दर्शन को उमड़े भक्त

एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया ठाकुर जी के दर्शन

संवाददाता

मथुरा। अक्षय तृतीया पर अपने आराध्य ठाकुर बांकेबिहारी के चरण दर्शन को जनसैलाब उमड़ पडा। बुधवार को एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन किये। प्रशासन को भीड के आने का पूर्वानुमान था। भीड और यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त इंतजाम किये गये थे। वृंदावन को सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से तीन जोन और नौ सेक्टर मे बांटा गया था। मंगलवार की शाम से ही रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया था। वृंदावन में वाहनों का प्रवेश पूर्ण प्रतिबंधित किया गया है। वाहनों को खडा करने के लिए पर्याप्त पार्किंग बनाई गयी हैं। मंगलवार की शाम से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। वृंदावन स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में बुधवार को

अक्षय तृतीया का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया इस दिन ठाकुर बांके बिहारी जी महाराज वर्ष में एक बार अपने भक्तों को चरण दर्शन देते है अक्षय तृतीया पर ठाकुर बाँके बिहारी जी महाराज को शीतलता प्रदान करने के लिए लगभग 100 किलो चंदन से सेवा प्रदान की जाएगी इसी के साथ साथ वृंदावन के अन्य मंदिरों में भी चंदन सेवा की जाती है यह दिन बांके बिहारी के भक्तों के लिए बेहद खास होता है इन विशेष दर्शनों के लिए लोग साल भर तक इंतजार करते है बता दें कि चरण दर्शन साल में एक बार ही होते है इसलिए इसका विशेष महत्व है ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए हजारो लाखो की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा उमड़ पड़ा अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए सुबह से ही भक्त लालाहित दिखे मंदिर के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ एकत्रित होने लगी और देखते ही देखते मंदिर से विद्यापीठ चौराहे तक लंबी लाइन लग गई किसी भी श्रद्धालु को कोई भी परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए प्रशासन द्वारा काफी पुख्ता इंतजाम किए गए चप्पे चप्पे पर सुरक्षा के दृष्टिग्रत भारी पुलिसबल तैनात रहा। वृंदावन में बांके बिहारी जी के दर्शन के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते है उन दिनों में ठाकुर जी के चरण दर्शन नहीं होते है साल में सिर्फ एक बार अक्षय तृतीया के दिन ही भक्तों को चरण दर्शन का पुण्य लाभ मिलता है ऐसी मान्यता है कि इस दिव्य दर्शन पाने से भक्तों पर विशेष कृपा बरसती है इसके साथ ही जीवन खुशियों से भर जाता है।

100 किलो चंदन से किया गया लेपन

ठाकुर बांके बिहारी जी महाराज को शीतलता प्रदान करने के लिए करीब 100 किलो चंदन का लेपन किया गया जिस चंदन से बिहारी जी की सेवा की जाती है वो कोई मामूली चंदन नहीं बल्कि मलयागिरी चंदन होता है जो की दक्षिण भारत से लाया जाता है इस चंदन की घिसाई का काम मंदिर के गोस्वामी जनों द्वारा किया जाता है।

चरणों में चंदन का गोला रख भक्तों को दिए दर्शन

अक्षय तृतीया पर जन जन के आराध्य ठाकुर बांके बिहारी लाल ने अपने भक्तों को चरणों में चंदन का गोला रखकर दर्शन दिए इस दौरान बाहर से आए हुए श्रद्धालु इस मनमोहक दृश्य को देख मंत्रमुग्ध हो गए जिसने भी इस मनमोहक दृश्य को निहारा देखता ही रह गया।

डीएम, एसएसपी ने खुद सम्हालीं व्यवस्था

जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमाने अक्षय तृतीया के बडे पर्व को देखते हुए वृंदावन में खुद मौजूद रहे कर व्यवस्थाओं को सम्हाला। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने ब्रजवासियों को अक्षय तृतीया का हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज माना जाता है कि ठाकुर जी के चरणों के दर्शन वर्ष भर में एक दिन होते हैं। पूरा प्रयास है कि जो भी श्रद्धालु आए वह अच्छा अनुभव लेकर वापस जाएं। मेडिकल, साफ सफाई, खोया पाया केंद्र सहित तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी लगाए गए हैं। वहीं एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि अक्षय तृतीया पर लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है। तीन जोन नौ सेक्टर में विभाजित कर ड्यूटियां लगाई गई हैं। ट्रेफिक के लिए प्लान तैयार किया गया है। जिसमें पार्किंग एरिया, होल्डिंग एरिया, डायवर्जन एरिया तय किये गये हैं।

मदर टेरेसा स्कूल आईसीएसई बोर्ड का शानदार परिणाम घोषित

संवाददाता

कानपुर। आईसीएसई बोर्ड के जारी रिजल्ट होने के बाद केशव नगर स्थित मदर टेरेसा हाई सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने अपना परचम लहराते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। हाई स्कूल की अपर्णा यादव ने 97.6: और इंटर की तृषा तिवारी ने 97.6: अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिजल्ट जारी होने के बाद प्रधानाचार्य श्रीमती रेनू सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वह इसी तरीके से पढ़ाई के क्षेत्र में मेहनत करते रहे सफलता एक दिन निश्चित तौर पर उनके कदम चूमेगी उन्होंने सभी मेधावियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि भविष्य में उन्हें कभी भी स्कूल प्रबंधन समिति की आवश्यकता महसूस होती है तो स्कूल प्रबंधन समिति उनकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहेगा उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की और भरोसा दिलाया कि शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल इसी तरीके से आगे बढ़ता रहेगा।

वैदिक मंत्रों के साथ मनाया भगवान परशुराम का प्राकट्योत्सव, 4 मई को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

मथुरा। गांधी पार्क चौक बाजार स्थित लक्ष्मी दास हॉल में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान परशुराम का दूध, दही, शहद, घी, शक्कर, केसर, चंदन व गंगा, यमुना जल से अभिषेक किया गया। भगवान को सुंदर वस्त्र धारण कराकर सुसज्जित फूल बंगले में विराजमान कर उन्हें सत्तू, खरबूजा, तरबूज, दूध गुलाब, जलेबी, कचौड़ी व अन्य व्यंजनों का भोग लगाया गया, तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। परशुराम शोभा यात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा, महामंत्री बंसीलाल शर्मा, पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्यामसुंदर उपाध्याय बिट्टू भैया, बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप शर्मा एडवोकेट, मनप्रकाश, अखिलेश

गौड़, राकेश गौड़ आदि ने गोष्ठी को संबोधित कर लोगों से भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। परशुराम महिला समिति की अध्यक्ष भावना शर्मा ने भी अन्य महिलाओं के साथ अभिषेक किया। इस दौरान प्रमुख रूप से आचार्य रमाकांत गोस्वामी, मनोज शर्मा, बॉबी भैया, गौरव शर्मा, गजेंद्र शर्मा, ओपी उपाध्याय, केके शर्मा, चंद्रप्रकाश, गौरीशंकर, अखिलेश गौड़, आशुतोष भारद्वाज, अनुराग पाठक, गौरवकांत शर्मा, राकेश गौड़, संजय पिपरोनिया, केके शर्मा (राधापुरम), मोनू पंडित, सुनील शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रेम बिहारी शास्त्री, पूजा आचार्य, ललित स्वामी, लब्बू पंडित, सुखदेव गोसाई, मुकेश शास्त्री, चंद प्रकाश टावर वाले आदि मौजूद रहे।

ऐ टू मेकअप स्टूडियो व सालून अकैडमी का शुभारंभ हुआ

संवाददाता

कानपुर। शहर के दक्षिण क्षेत्र में स्थित दबौली रोड इलाके में रहने वाली महिलाओं के लिए खुशखबरी है उनके क्षेत्र में ऐ टू मेकअप स्टूडियो एंड सैलून अकैडमी खुल गई है। जिसका उद्घाटन पूर्व विधायक अजय कपूर एवं उद्योगपति विजय कपूर ने पूरे विधि विधान के साथ पिता काटकर किया। मुख्य अतिथि का स्वागत एवं धन्यवाद एसपी सोनी एवं टिंकू पाल ने फूलों का गुलदस्ता लेकर किया। इस मौके पर स्टूडियो की ओनर श्रीमती अनुजा एवं आरती पाल ने बताया कि वर्तमान में उनके यहां आधे दर्जन से अधिक महिला कुशल कारीगर है जबकि पांच लोगों को वर्तमान में ट्रेनिंग की सुविधा भी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि उद्घाटन के अवसर पर पहली बार आने वाले

प्रत्येक महिला ग्राहक ब्राइडल मेकअप का अन्य पार्टी मेकअप पर 40: का डिस्काउंट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अकादमी के माध्यम से क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं को मेकअप की ट्रेनिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी इसके साथ ही अगर किसी को घर में मेकअप कराना है तो उसकी भी सुविधा यहां उपलब्ध रहेगी लोगों से समूह के ऊपर यही कहना चाहूंगी कि वह अपनी सेवा का अवसर जरूर प्रदान करें इस दौरान समस्त स्टाफ सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पिकअप निकालने को लेकर विवाद, लाठी-डंडों से हमला, 4 लोग घायल

संवाददाता, नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे में मंगलवार रात एक पिकअप गाड़ी को लेकर हुए विवाद में चार लोग घायल हो गए। घटना मोहल्ला अम्बेडकर नगर की है। मोहल्ला शहीद नगर निवासी फिरोज अपने भाई आमिर और चचेरे भाई तालिब के साथ पिकअप लेकर रबूपुरा स्टैंड से घर लौट रहा था। मोहल्ला अंबेडकर नगर से गुजरते समय कुछ लोगों से विवाद हो गया। आरोप है कि अजीत, सोनू और एक युवती समेत कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी रोक ली। पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में फिरोज, आमिर और तालिब गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पीड़ित के भाई गुलफाम पर भी आरोपियों ने हमला किया।

प्लास्टिक पर रोक, दुकानों और बाजारों में कपड़े-जूट के थैले अनिवार्य किए

नोएडा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का अभियान शुरू किया है। प्राधिकरण के बोर्ड रूम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सभी सेक्टरों की दुकानों और बाजारों में पॉलिथीन के बजाय कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। साथ ही सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। प्लास्टिक से बने डिस्पोजेबल बर्तन, स्ट्रा और चम्मच की जगह बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को बढ़ावा दिया जाएगा। बैठक में आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। एसीईओ ने मोहल्लों में रहने वाले स्ट्रीट डॉग्स की समयबद्ध नसबंदी के निर्देश दिए। इससे जनसुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा।

सांस्कृतिक संबंधों के विकास के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने आईसीसीआर से मिलाया हाथ

त्रिपक्षीय समझौते में रूट्स 2 रूट्स भी शामिल

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली और रूट्स 2 रूट्स ने ऑनलाइन भारतीय प्रदर्शन कलाओं की कक्षाएं शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है। आईसीसीआर, रूट्स 2 रूट्स और यूपीआरटीओयू ने बुधवार को आईसीसीआर मुख्यालय, आजाद भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की उपस्थिति में इस समझौते पर आईसीसीआर की कार्यक्रम निदेशक श्रीमती अर्चना शर्मा रूट्स 2 रूट्स के संस्थापक राकेश गुप्ता और यूपीआरटीओयू के रजिस्ट्रार, कर्नल विनय कुमार द्वारा हस्ताक्षर किए गए। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्य काम ने बताया कि इस ऐतिहासिक सहयोग का उद्देश्य भारत की महान संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय छात्रों और दुनिया भर के भारतीय प्रवासियों के लिए भारतीय प्रदर्शन अथवा निष्पादन कलाओं की लाइव, इंटरएक्टिव ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। यह समझौता भारत के नवाचार और रचनात्मकता के माध्यम से वैश्विक सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रस्तावित कला विधाएँ कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, तबला, हारमोनियम, हिंदुस्तानी वोकल, कठपुतली निर्माण, रंगोली, मधुबनी कला, मेंहदी और बॉलीवुड (लोकप्रिय) नृत्य आदि हैं। आईसीसीआर (भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का स्वायत्त निकाय) के सहयोग से विगत वर्षों में रूट्स 2 रूट्स (एनजीओ) ने कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, कठपुतली निर्माण, रंगोली, और मधुबनी कला में प्रायोगिक कक्षाएं संचालित कीं। इन कक्षाओं के लिए दुनिया भर में मिले उत्साह और प्रतिक्रिया ने इस पहल को दिशा दी है, जो अब एक वर्षीय पाठ्यक्रम में परिणत हो गई है जिनमें सफल शिक्षार्थियों को डिप्लोमा कोर्स किया जाएगा। मुक्त विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रत्येक कला विधा के भारतीय विशेषज्ञ, जो अपनी महारत और समर्पण के लिए प्रसिद्ध हैं, इन

कक्षाओं का नेतृत्व करेंगे। ये कक्षाएं अंग्रेजी में संचालित होंगी और 125 विश्व भाषाओं में उपशीर्षक के साथ प्रस्तुत की जाएंगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी अपनी चुनी हुई भाषा में निर्देशों को आसानी से समझ सकें। कक्षाएं रूट्स 2 रूट्स द्वारा तैयार विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी, जिसमें मल्टी-कैमरा शूट और प्रतिभागियों के साथ रियल-टाइम संवाद सुनिश्चित किया जाएगा। इस नवाचार के प्रमुख पहलुओं के अंतर्गत आईसीसीआर वैश्विक स्तर पर प्रतिभागियों को जोड़ने और प्रचारित करने के लिए अपने भारतीय मिशनों और उनके आईसीसीआर केंद्रों का उपयोग करेगा। रूट्स 2 रूट्स अत्याधुनिक कैमरा, प्रोफेशनल साउंड सिस्टम और इंटरएक्टिव सॉफ्टवेयर के साथ कक्षाओं का प्रबंधन, संचालन और दस्तावेजीकरण करेगा तथा यूपीआरटीओयू छात्रों का मूल्यांकन करेगा और सफल परीक्षार्थियों को डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्रदान करेगा।

सेंट थॉमस स्कूल के छात्र-छात्राओं ने आई एस सी बोर्ड परीक्षा फल में 98 प्रतिशत अंक लाकर शहर का नाम रोशन किया

संवाददाता

कानपुर। किदवई नगर स्थित सेंट थॉमस स्कूल के छात्र-छात्राओं ने आई एस सी बोर्ड परीक्षा परिणाम मे बेहतरीन अंक लाकर स्कूल व शहर का नाम रोशन किया विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर थॉमस कुमार ने एक बातचीत के दौरान बताया कि हमारे स्कूल के बच्चों ने जी तोड़ मेहनत करके और समस्त अध्यापकों ने बच्चों को हर विषय पर सही मार्गदर्शन देकर सभी बच्चे आई एस सी बोर्ड परीक्षा के परिणाम में उत्तीर्ण हुए स्कूल के साथ सभी अभिभावकों के लिए गौरव की बात है विद्यालय की छात्राओं ने 100 मे 98 प्रतिशत अंक लाकर सभी का मान बढ़ाया स्कूल की छात्रा विज्ञान वर्ग में कामाक्षी मेहरोत्रा 98 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रही वही वाणिज्य वर्ग में पावनी पाण्डेय 95 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रहीं। वहीं स्वारक्षी सिंह 97.8 प्रतिशत प्रथम कुशाग्र मिश्रा 97.4 द्वितीय सक्षम सिंह एवं शिवांस प्रताप सिंह श्रीवास्तव 96.8 प्रतिशत लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया विद्यालय प्रबंधक स्कूल के सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना करता है और उनके अभिभावक व स्कूल के अध्यापकों का आभार व्यक्त करता है।

अक्षय तृतीया के अवसर पर महिला मंडल ने राहगीरों में गन्ने का शरबत वितरण किया

संवाददाता

कानपुर। चिलचिलाती गर्मी को ध्यान में रखते हुए मां पद्मावती युवा महिला मंडल की पदाधिकारी ने अक्षय तृतीया के महापर्व के अवसर पर फजलगंज औद्योगिक क्षेत्र में गन्ने के रस का वितरण किया। दोपहर से शुरू हुआ सिलसिला देर शाम तक जारी रहा इस दौरान सैकड़ो की संख्या में जहांगीरों ने शीतल गन्ने का रस पीकर राहत महसूस की। मां पद्मावती युवा महिला मंडल की अध्यक्ष खुशबू जैन रश्मि जैन प्रिया जैन ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने इस संगठन की शुरुआत बीते वर्ष की थी तब से लगातार जनहित को ध्यान में रखते हुए अनेको कार्य करते आ रहे हैं ताकि जरूरतमंदों की मदद

हो सके।

इसी के चलते बुधवार को अक्षय तृतीया पर्व के दौरान गन्ने के रस का वितरण राहगीरों के बीच किया गया है ताकि उन्हें गर्मी से कुछ राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि आगे भी इस तरीके के जनहित को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। खुशबू जैन ने बताया कि उनके मंडल में वर्तमान समय में लगभग 45 महिलाएं मंडल में जुड़ी हुई है जो अपने-अपने क्षेत्र में जनहित के कार्य कर रही हैं ताकि जरूरतमंदों की ज्यादा से ज्यादा मदद हो सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गौरव जैन नितिन जैन प्रतीक जैन आदि लोग मौजूद रहे।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वराज इंडिया व चिन्टल्स के खिलाड़ी विजेता घोषित

संवाददाता

कानपुर। सीआईएससीई साउथ जोन तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वराज इंडिया व द चिन्टल्स स्कूल के खिलाड़ी विजेता घोषित हुए चक्की दूसरे स्थान पर मदर टेरेसा हाई सेकेंडरी स्कूल केशव नगर रहा। प्रतियोगिता का संचालन मदर टेरेसा हायर सेकेंडरी स्कूल केशव नगर द्वारा किया गया था इस प्रतियोगिता में साउथ जोन के 11 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ विजय त्रिवेदी एवं एडवोकेट भानु प्रताप सिंह द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए किया गया इस दौरान उन्होंने तीरंदाजी भी की। मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि का स्वागत तथा धन्यवाद मदर टेरेसा स्कूल के प्रबंधक इमैनुएल सिंह ने किया। जबकि प्रतियोगिता का संचालन स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती रेनू सिंह ने किया।

श्रीमती रेनू सिंह ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को खेल के प्रति भी जागरूक होना चाहिए ताकि उनका शरीर और मस्तिष्क दोनों फिट रह सके उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से अपील करते हुए कहा कि खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूलों में भी इसका एक अतिरिक्त फंड बनाया जाए ताकि अच्छे ट्रेनर और खिलाड़ियों को ट्रेंड कर सकें। प्रतियोगिता के दौरान विशेष अतिथि के रूप में कानपुर ओलंपिक संघ के वैभव गौड बबीता यादव वैभव साहू दिनेश कुशवाहा रिंकू सोनकर एवं निहारिका ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। इस दौरान खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ विजय त्रिवेदी ने कहा कि तीरंदाजी भारतीय पारंपरिक खेल है जो सतयुग से चली आ रही है हमें इस खेल को और आगे बढ़ना होगा इसलिए सभी खिलाड़ी मन लगाकर इस खेल के प्रति समर्पित रहे।

श्री राम मिलेनियम स्कूल के आईएससी में रिहान ने किया टॉप, आईसीएससी में शौर्या ने किया टॉप

संवाददाता

नोएडा। बुधवार को आईसीएससी और आईएससी का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। नोएडा में स्कूलों में परीक्षा परिणाम आने के बाद स्टूडेंट्स में खुशी का माहौल है। तीनों स्कूलों का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। श्री राम राम मिलेनियम स्कूल का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। यहां आईएससी यानी 12वीं में रिहान अग्रवाल ने 99.3 प्रतिशत अंक हासिल किए। उन्होंने जिला टॉप किया। इसके अलावा तनुष ने 98.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसी स्कूल में आईसीएससी यानी 10वीं में शौर्या महेश्वरी 98.8 और जारा बेदी ने 98.2 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया। वहीं जि सेस मैरी स्कूल में आईएससी में रिषभ कुमार ने 96.25 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। आईसीएससी में 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया। यहां सेंट जोसफ स्कूल में दसवीं और बारहवीं दोनों में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। ग्रेटर नोएडा के सेंट जोसफ स्कूल में आईसीएससी में कुल 184 स्टूडेंट बैठे थे। सभी स्टूडेंट पास हो गए। आईसीएससी में वैश्नवी वैभव ने टॉप किया। वैश्नवी ने 96.60 प्रतिशत अंक हासिल किए। आईएससी में शाश्वत कुमार श्रियांश ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया। शाश्वत ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम से है। अलग-अलग स्ट्रीम की बात करे तो साइंस स्ट्रीम में सक्षम मिश्रा ने 95.4 और कॉमर्स में सुहानी अग्रवाल ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। शाश्वत ने बताया कि वो आगे चलकर आईएएस बनना चाहते है। इसके लिए तैयारी की जा रही है।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे जाट एक्टर विनीत कुमार, बोले- जब महाकाल का बुलावा आए तो..

बॉलीवुड एक्टर विनीत कुमार सिंह हालिया रिलीज हुई फिल्मों 'छावा' और 'जाट' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्मों में एक्टर अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का खूब दिल जीत रहे हैं। अपनी फिल्मों की सफलता के बीच हाल ही में एक्टर उज्जैन की पावन नगरी में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और अपने अनुभव को सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है। विनीत कुमार सिंह ने इंस्टाग्राम पर उज्जैन के महाकाल मंदिर से कुछ खास तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति भाव में लीन नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा-मैं अपने शूटिंग शेड्यूल के लिए कोटा, राजस्थान में उतरा और मुझे 2 दिन का ब्रेक मिला, जिसके बाद मैं किसी तरह महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचा। कहते हैं कि जब भी श्रीमहाकाल का बुलावा आए तो आप सभी आ जाएं। मैं इस अवसर के लिए मंदिर संगठन का आभारी हूं। जय श्रीमहाकाल! हर हर महादेव, शिव दिव्य। जैसे ही विनीत ने महाकाल मंदिर की तस्वीरें शेयर कीं, सोशल मीडिया पर उनके फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। लोगों ने कमेंट्स में ना केवल उनके आध्यात्मिक पक्ष की तारीफ की, बल्कि उन्हें शुभकामनाएं और सराहना भी दी। काम की बात करें तो एक्टर इस समय एक नई फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो राजस्थान के कोटा में चल रही है। हालांकि उन्होंने फिल्म का नाम नहीं बताया, लेकिन उनकी इंस्टाग्राम पोस्ट से यह साफहो गया कि वह शूटिंग के बीच मिले ब्रेक के बीच महाकाल के दर्शन करने पहुंच गए।

››› बॉलीवुड ‹‹‹

जब सामंथा रूथ प्रभु ने तलाक के बाद पति से 200 करोड़ की, एलिमनी लेने से किया था इनकार

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली और प्रशंसित अभिनेत्रियों में से एक सामंथा रूथ प्रभु अक्सर लोगों की नजरों में आती रही हैं। जहाँ उनका करियर ये माया चेसावे, ईगा, रंगस्थलम और सुपर डीलक्स जैसी सफल फिल्मों से ऊपर उठ गया है, वहीं उनकी निजी जिंदगी, खास तौर पर नागा चौतन्य से उनका तलाक, विवादों में घिरा रहा है। गुजारा भत्ता की अफवाहों से लेकर बोल्ड रोल चॉइस और हाल ही में तेलंगाना के मंत्री कोंडा सुरेखा की तलाक के बारे में चौंकाने वाली टिप्पणियों तक, सामंथा रूथ प्रभु हमेशा से ही गलत कारणों से सुर्खियाँ बटोरती रही हैं। यहाँ कुछ सबसे बड़े विवादों पर एक नजर डाली गई है जो इस लोकप्रिय अभिनेत्री से जुड़े रहे हैं। अक्टूबर 2017 में सामंथा रूथ प्रभु ने नागार्जुन के बेटे नागा चौतन्य से शादी कर ली और करीब छह साल तक उन्हें डेट किया। लेकिन 4 साल के अंदर ही इस पावर कपल का तलाक हो गया। आरोप है कि सामंथा रूथ प्रभु ने नागा चौतन्य से गुजारा भत्ता के तौर पर 250 करोड़ रुपए ऐंठे थे। कॉफी विद करण में सामंथा प्रभु ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। जब उनसे उनकी जिंदगी की सबसे खराब अफवाहों में से एक के बारे में पूछा गया तो सामंथा ने कहा कि नागा चौतन्य से तलाक के बाद उनके बारे में कहा गया कि उन्होंने 250 करोड़ रुपये का गुजारा भत्ता लिया है। अभिनेत्री ने कहा, श्इतना ही नहीं, लोग यह भी कह रहे थे कि मैंने प्री-नप साइन किया है।श् इंटरव्यू के दौरान सामंथा रूथ प्रभु ने कहा कि तलाक के बाद उन्हें 200 करोड़ रुपये का गुजारा भत्ता मिलने वाला था, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया और उन्होंने किसी भी तरह का प्री-नप साइन नहीं किया। पिछले साल सामंथा वरुण धवन के साथ वेब सीरीज श्सिटाडेलरू हनी बनीश् में नजर आई थीं। इससे पहले भी उन्होंने श्फैमिली मैन 2श् में एक आतंकवादी की भूमिका निभाई थी। जल्द ही वह श्रक्त ब्रह्मांडश् नाम की एक वेब सीरीज में भी नजर आएंगी। इन वेब सीरीज में काम करने से पहले ही हिंदी बेल्ट के दर्शक सामंथा को जानते थे क्योंकि उनकी कई साउथ फिल्में हिंदी में डब की गई थीं और दर्शकों को पसंद भी आई थीं।

अक्षय तृतीया पर कंगना रनौत एमपी हाउस में शिफ्ट हुई, दिल्ली की चाट उठाया का लुत्फ

मंडी से लोकसभा सांसद कंगना रनौत आखिरकार दिल्ली में एमपी हाउस में शिफ्ट हो गई। 2024 में राजनीति में कदम रखने वाली अभिनेत्री ने अक्षय तृतीया 2025 के शुभ अवसर पर अपने नए पते पर पूजा की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर गृह प्रवेश समारोह का एक वीडियो शेयर किया। कंगना रनौत एमपी हाउस में शिफ्ट हुई वीडियो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, आखिरकार दिल्ली एमपी हाउस में शिफ्ट होने का कुछ समय मिल गया।ष् अभिनेत्री ने अपने भतीजों के साथ गृह प्रवेश पूजा की। कंगना ने अपनी भाभी रितु रनौत के साथ दिल्ली की चाट का लुत्फउठाया। उनके घर में खूबसूरत लकड़ी की कुर्सियाँ, लकड़ी के फ्रेम वाली बड़ी खिड़कियाँ हैं, जिन पर बड़े-बड़े सफेद पर्दे लगे हैं और एंटीक झूमर हैं, जो पुराने जमाने के आकर्षण का एहसास कराते हैं। घर को सफेद संगमरमर के फर्श से भी सजाया गया है। घर की दीवारों पर भारतीय शैली के चित्र भी सजे हुए देखे गए। अपने विंटेज थीम वाले बंगले की और तस्वीरें देखने के बाद, कंगना ने राष्ट्रीय राजधानी पहुंचकर दिल्ली के खाने का भी लुत्फ उठाया। कंगना का मनाली वाला घर कंगना इससे पहले मनाली में थीं। उन्होंने हाल ही में दावा किया था कि हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड ने उन्हें उनके मनाली वाले घर के लिए हर महीने एक लाख रुपये का बिल भेजा है। उन्होंने यह भी कहा कि हिमाचल विद्युत बोर्ड को पिछले एक साल के बिलों की जांच करनी चाहिए और अगर बकाया अभी भी 1 लाख रुपये के करीब है, तो वह अपने शब्द वापस ले लेंगी। विद्युत बोर्ड ने कहा कि उनका दावा गलत नहीं है और वह

बकाया चुकाने में चूककर्ता हैं। उन्होंने कहा कि बिल दो महीने का था और इसकी राशि 90,384 रुपये थी। बोर्ड ने यह भी दावा किया कि कंगना नियमित रूप से अपने बिल का भुगतान नहीं करती हैं और उनके घर पर कनेक्टेड लोड 94.82 किलोवाट है, जो सामान्य घर से 1,500 प्रतिशत अधिक है। फिल्मों की बात करें तो कंगना आखिरी बार इमरजेंसी में नजर आई थीं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन स्ट्रीम हो रही है। उनकी 2019 की फिल्म मणिकर्णिकारू द क्वीन ऑफ झांसी का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है। सीक्वल का नाम है, द लीजेंड ऑफदिद्दा।

››› बॉलीवुड ‹‹‹

नौकरानी बनी चोरनी! नेहा मलिक के घर से 34 लाख के गहने चोरी, नौकरानी गिरफ्तार

टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस नेहा मलिक के घर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। यह घटना मुंबई के अंधेरी इलाके की है, जहां नेहा मलिक का घर स्थित है। घर से करीब 34 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए हैं। इस चोरी को अंजाम देने वाली कोई और नहीं बल्कि घर की ही नौकरानी शेनाज शेख निकली, जिसे अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की जानकारी सबसे पहले नेहा की मां मंजू मलिक को हुई, जिन्होंने मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके बेडरूम में लकड़ी की एक दराज में गहने रखे हुए थे। यह दराज अक्सर खुला ही रहता था और वहीं नौकरानी शेनाज की मौजूदगी में गहने रखे भी जाते थे। जब मंजू मलिक ने गहनों की जांच की तो उन्हें सब कुछ गायब मिला। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, घटना वाले दिन सुबह करीब 7.30 बजे शेनाज शेख रोज की तरह सफाई करने घर आई थी। उसी दिन उसने मंजू मलिक से 9000 रुपये एडवांस भी लिए। सफाई का काम खत्म करने के बाद मंजू गुरुद्वारे चली गईं। इसके बाद अगले दिन शेनाज काम पर नहीं आई और उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। शक होने पर मंजू मलिक ने जब दराज को चेक किया तो गहने गायब पाए। उन्होंने तुरंत अपनी बेटी नेहा को जानकारी दी और फिर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद पाया कि शेनाज अंधेरी इलाके में ही रहती है। गहन छानबीन के बाद पुलिस ने उसे अंधेरी के जेबी नगर से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही चोरी किए गए गहने भी बरामद कर लिए गए हैं।

बादशाह के नए गाने पर छिड़ा विवाद, ईसाई समुदाय ने रैपर पर दर्ज करवाई एफआई आर

फेमस रैपर बादशाह इन दिनों अपने नए गाने 'टमसअमज थ्सवू' को लेकर विवादों में घिर गए हैं। इस गाने के कुछ हिस्सों को लेकर ईसाई समुदाय में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। इतना ही नहीं, पंजाब क्रिश्चियन मूवमेंट की ओर से रैपर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है और गाने को सोशल मीडिया से हटाने की मांग की जा रही है।

बादशाह का नया गाना 'टमसअमज थ्सवू' हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने के बोलों में एक पंक्ति है, घर लगे चर्च और हाथ में है पासपोर्ट... ईसाई संगठनों का आरोप है कि इस गाने में पवित्र बाइबिल और चर्च का उल्लेख अश्लील और अपमानजनक शब्दों के साथ किया गया है, जिससे समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। पंजाब क्रिश्चियन मूवमेंट के प्रदेश अध्यक्ष पास्टर गौरव मसीह गिल ने बताया कि उन्हें उनके एक दोस्त का फोन आया, जिसने गाने के बारे में जानकारी दी। गाने को सुनने के बाद पास्टर गौरव ने पाया कि इसमें बाइबिल और चर्च को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

उन्होंने कहा कि गाने के शब्दों से यह संदेश जाता है कि चर्च कोई गंभीर या पवित्र स्थान नहीं, बल्कि कोई डरावनी या बोझिल जगह है। पास्टर गौरव मसीह ने गाने की कुछ पंक्तियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसमें बाइबिल पढ़ने और घर में बैठे बोर होने जैसी बातें कही गई हैं, जो दर्शाती हैं कि गीत में पवित्र धर्मग्रंथ और चर्च को नकारात्मक तरीके से पेश किया

गया है। उन्होंने इसे अश्लीलता से भरा हुआ गाना बताया।मसीही समुदाय ने बादशाह और उनके साथियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने और बेअदबी के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई है। साथ ही, उन्होंने पुलिस से मांग की है कि यह गाना यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से तुरंत हटाया जाए। समुदाय की ओर से यह भी कहा गया कि इस प्रकार की सामग्री से धार्मिक सहिष्णुता को ठेस पहुंचती है और इससे सामाजिक माहौल भी बिगड़ सकता है।

घर में डूबी दिल्ली कैपिटल्स की नैया, कोलकाता नाइट राइडर्स ने दर्ज की 14 रन से जीत

एजेंसी, नई दिल्ली। मंगलवार को आईपीएल 2025 के 48वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। जिसे केकेआर ने 14 रन से जीत लिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को एक बार फिर अपने घर पर हार का सामना करना पड़ा। केकेआर ने इस जीत के साथ प्लेऑफ की रेस में खुद को जिंदा रखा है। इस मुकाबले में केकेआर के जीत के हीरो सुनील नरेन रहे जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर की शुरुआत अच्छी रही। केकेआर के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज और सुनील नरेन ने पहले तीन ओवर में 48 रन जोड़कर नाइट राइडर्स को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। वहीं अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह की बेहतरीन पारियों और दोनों के बीच

अर्धशतकीय साझेदारी ने केकेआर को 200 रन के पार पहुंचा दिया। केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। वहीं रिंकू सिंह ने 36 रनों का योगदान दिया। इससे पहले गुरबाज ने 26 रन और नरेन ने 27 रन बनाए। कप्तान रहाणे ने भी 26 रनों की पारी खेली। दूसरी ओर दिल्ली के लिए मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। विप्रज निगम और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इनके अलावा दुशमंथा चमीरा को एक विकेट मिला। 205 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत काफी खराब रही। उसने 4 रन पर ही अपना विकेट गंवाया। इसके बाद करुण नायर और केएल राहुल भी ज्यादा कुछ खास नहीं कर सके और अपना विकेट गंवा बैठे। हालांकि, फाफ डुप्लेसी और कप्तान अक्षर पटेल ने जूझारू पारियां खेलीं। फाफ ने 45 गेंदों में 62 रन बनाए और अक्षर पटेल ने 23 गेंद में 43 रन बनाए। इसके अलावा बाकी सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। जिसके कारण दिल्ली 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन ही बना सकी। दूसरी ओर सुनील नरेन गेंद से भी सफल रहे। उन्होंने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। उनके अलावा वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट, वैभव अरोड़ा, आंद्रे रसेल और अनुकूल रॉय ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

दुष्मंथा चमीरा ने लपका कैच ऑफ द टूर्नामेंट, सुपरमैन की तरह हवा में उड़े

एजेंसी, नई दिल्ली। क्रिकेट मैच में कई बार फील्डिर ऐसा अद्भुत कारनामा अंजाम देते हैं कि आंखों पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही कुछ कमाल दुष्मंथा चमीरा ने किया है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स बनाम केकेआर मुकाबले में बेहद हैरतअंगेज कैच पकड़ा। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज ने बाउंड्री पर सुपरमैन की तरह उढ़कर अनुकूल रॉयल को पवेलियन की राह दिखाई। अनुकूल का खाता नहीं खुला। दुष्मंथा की कैचकी खूब चर्चा हो रही है। दिल्ली की ओर से 20वां ओवर मिचेल स्टार्क ने डाला। स्टार्क ने तीसरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल (5) को एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद, बैटिंग करने उतरे अनुकूल ने आते ही फ्लिक किया। गेंद और बल्ला का अच्छा संपर्क हुआ। लगा कि गेंद बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से निकल जाएगी। हालांकि, दुष्मंथा ने ऐसा मुमकिन नहीं होने दिया। उन्होंने यही समय पर बाईं और हवा में डाइव लगाई और दोनों हाथों से बेहतरीन कैच लपक किया। दुष्मंथा के कैच को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। लोगों ने इसे कैच ऑफ द टूर्नामेंट करार दिया। स्टार्क ने आखिरी ओवर में तीन विकेट झटके। ओवर की पांचवीं गेंद पर आंद्रे रसेल रनआउट हुए। उन्होंने पहली गेंद पर 106 मीटर का छक्का लगाया था। केकेआर ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 का स्कोर खड़ा किया। स्टार्क ने कुल तीन विकेट चटकाए। दुष्मंथा ने अंगकृष रघुवंशी के रूप में एक शिकार किया। अंगकृष ने केकेआर के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए।

आईपीएल में कुलदीप यादव ने मारे रिंकू सिंह को चांटे, वायरल हुआ वीडियो

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में 48वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुआ है। कोलकाता ने दिल्ली को उसके ही घर में 14 रनों से हरा दया है। अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के बाद खिलाड़ियों ने आपस में बातचीत शुरू की। उस समय का वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कुलदीप यादव ने रिंकू सिंह को थप्पड़ मारा है। ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। थप्पड़ मारे जाने के बाद रिंकू सिंह भी काफी गुस्से में दिखाई दिए। कुलदीप यावद दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हैं जबकि रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा हैं। दिल्ली में खेले गए मुकाबले के बाद मैदान पर दोनों टीमों के खिलाड़ी आपस में बात करते दिखे है।

इस दौरान कुलदीप यादव और रिंकू सिंह भी है। बातचीत के दौरान ही कुलदीप रिंकू को किसी बात पर थप्पड़ मारते है। ऐसे में रिंकू खुद को बचाते हुए हंसने लगते है। कुछ ही देर में कुलदीप की बात को सुनकर वो चुप भी हो जाते है। कुलदीप फिर रिंकू को मारते हैं तो वो गुस्सा हो जाते है। सोशल मीडिया पर जमकर ये वीडियो चल रहा है। यूजर्स भी इस वीडियो को देखकर काफी हैरान हो गए है। यूजर्स का कहना है कि कुलदीप के व्यवहार से रिंकू सिंह नाराज हो गए है। दिल्ली के खिलाफ मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी की थी। कोलकाता ने 204 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में अच्छी शुरुआत नहीं की थी। सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के जादू से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

इस हार के बावजूद दिल्ली की टीम 10 मैच में 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। नाइट राइडर्स इतने ही मुकाबलों में नौ अंक के साथ सातवें स्थान पर है। दिल्ली की पिछले चार मैच में यह तीसरी हार है। नाइट राइडर्स के 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम नारायण (29 रन पर तीन विकेट) और चक्रवर्ती (39 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने डु प्लेसी (62 रन, 45 गेंद, सात चौके, दो छक्के) के अर्धशतक और कप्तान अक्षर पटेल (43 रन, 23 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ उनकी चौथे विकेट की 76 रन की साझेदारी के बावजूद नौ विकेट पर 190 रन ही बना सकी। दिल्ली की ओर से डु प्लेसी और अक्षर के अलावा विपराज निगम (38 रन, 19 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) ही 20 रन के आंकड़े को हार कर पाए। नाइट राइडर्स की टीम इससे पहले अंगकृष रघुवंशी (44 रन, 32 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) और रिंकू सिंह (36 रन, 25 गेंद, तीन चौके, एक छक्का) की उम्दा पारियों और दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी से नौ विकेट पर 204 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा मना रहे 38वां जन्मदिन, ऐसे शुरु हुआ था क्रिकेट करियर

एजेंसी, नई दिल्ली।आज यानी की 30 अप्रैल को भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह शिहटमैनश् के नाम से भी जाने जाते हैं और रोहित शर्मा ने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। रोहित शर्मा ने विश्व क्रिकेट में भारत का नाम रोशन किया है। रोहित शर्मा जितने खतरनाक बल्लेबाज हैं, उससे कहीं ज्यादा वह चतुर-चालाक कप्तान हैं। पिछले कुछ सालों के उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने दुनिया भर में लाखों लोगों का दिल जीत लिया है। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर रोहित शर्मा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... महाराष्ट्र के नागपुर में 30 अप्रैल 1987 को रोहित शर्मा का जन्म हुआ था। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते थे। इनके पिता का नाम गुरुनाथ शर्मा था, जोकि एक ट्रांसपोर्ट फर्म में केयरटेकर थे। वहीं उनकी मां का नाम पूर्णिमा शर्मा था। रोहित शर्मा ने स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल से अपनी शिक्षा पूरी की। रोहित शर्मा ने साल 1999 में एक क्रिकेट कैंप जॉइन किया था। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत ऑफ स्पिनर की थी। तब वह थोड़ी बहुत बल्लेबाजी कर पाते थे। लेकिन कोच दिनेश लाड ने जल्द ही रोहित के बैटिंग टैलेंट को पहचान लिया

और उनको नंबर 8 से सीधा पारी का आगाज करने भेज दिया। इस टूर्नामेंट में रोहित ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और बतौर ओपनर उन्होंने डेब्यू मुकाबले में शतक लगाया। रोहित शर्मा ने साल 2007 में आयरलैंड के खिलाफ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। एक दिवसीय मैचों में रोहित शर्मा अपने दोहरे शतकों के लिए जाने जाते हैं। इसी साल सितंबर में रोहित ने अपना टी-20 डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ किया। हालांकि उनको टेस्ट डेब्यू के लिए काफी इंतजार करना पड़ा।

वहीं 6 साल बाद यानी की 2013 में वह पहली बार सफे द जर्सी पहनकर मैदान में उतरे थे। जब रोहित ने इंटरनेशनल करियर की शुरूआत की, तो वह बल्लेबाजी में फिनिशर की भूमिका निभाते थे। साल 2007 में टी 20 वर्ल्ड कप में भी वह फिनिशन बनकर मैदान में नजर आए थे। साल 2013 में इंग्लैंड में खेली गई चौंपियंस ट्रॉफी में एमएस धोनी के एक फै सले से रोहित शर्मा का करियर पलट गया। दरअसल, माही ने रोहित को सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतारा, जिसके बाद हिटमैन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत की तरफ से रोहित शर्मा अब तक कुल 461 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 52 टेस्ट मैचों में 46.54 की औसत से कुल 3,677 रन बनाए हैं।

रोहित के बल्ले से 10 शतक और 16 अर्द्धशतक निकले हैं। वहीं इंटरनेशनल लेवल पर रोहित शर्मा 4 शतक और 29 अर्द्धशतक लगा चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे की चमकेगी किस्मत, इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में मिलेगी जगह! सामने आया शेड्यूल

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत में इन दिनों आईपीएल 2025 की धूम मची हुई है और टूर्नामेंट में एक के बाद एक धमाकेदार मुकाबले खेले जा रहे हैं। आईपीएल के समापन के बाद भारत को इंग्लैंड के दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए रवाना होना है। इसी दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी इंग्लैंड का दौरा करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत की अंडर-10 टीम के इस दौरे के दौरान वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे भी स्क्वॉड का हिस्सा होंगे। बता दें कि, टीम इंडिया इस दौरे पर 5 वनडे और दो टेस्ट मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक 21 जून को टीम यूके लैंड करेगी इस दौरे पर 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। दोनों खिलाड़ी इस समय आईपीएल 2025 में धमाल मचा रहे हैं। वैभव जहां राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, आयुष म्हात्रे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं। इन दोनों के अलावा भी कुछ अन्य खिलाड़ियों को स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है। इंग्लैंड का ये आगामी दौरा भारत की अंडर-19 टीम के लिए अहम तैयारी का काम करेगा। क्योंकि वे अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए कमर कस रहे हैं, जो अगले साल जनवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाला है। पिछली बार भारत की अंडर-19 टीम पिछले साल दिसंबर में यूएई में आयोजित एशिया कप के दौरान खेली थी, जहां उन्होंने फाइनल तक का सफ र तय किया था, लेकिन आखिर में उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

युजवेंद्र चहल के हाथ लगा एमएस धोनी का बैट तो मैक्सवेल ने खींची टांग

एजेंसी, नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल की खुशी चार गुनी हो गई जब उन्हें एमएस धोनी का बैट मिला। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान धोनी ने पंजाब के खिलाफ मैच से पहले चहल को अपना बल्ला गिफ्ट के रूप में दिया। हालांकि, चहल जब बैट लेकर ड्रेसिंग रूम में गए तो ग्लेन मैक्सवेल ने उनकी टांग खींची। युजी एक सवाल का जवाब नहीं दे पाए। पीबीकेएस ने चहल का दिलचस्प वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। सीएसके वर्सेस पीबीकेएस आईपीएल 2025 का 49वां मुकाबला बुधवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है।

शिखर धवन की लताड़ के बाद भी नहीं सुधरा शाहिद अफरीदी, अब कर दी ये गिरी हुई हरकत

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने पहलगाम हमले पर बयान देने के लिए शाहिद अफरीदी को जमकर लताड़ लगाई है। शिखर धवन ने कहा है कि पहले ही इतना गिरे हुए हो, और कितना गिरोगे। गौरतलब है कि समा टीवी पर बात करते हुए शाहिद अफरीदी ने भारतीय सेना के ऊपर सवाल उठाए थे। इसके बाद पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर की जमकर आलोचना हो रही है। इसी कड़ी में शिखर धवन ने अफ रीदी को जमकर सुनाया है। गौरतलब है कि शिखर धवन ने 24 अगस्त 2024 को सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। धवन ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर की 288 पारियों में 10,867 रन बनाए हैं। वह भारत की 2013 की चौंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। शिखर धवन एक्स इसको लेकर एक्स पर लिखा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने लिखा कि कारगिल में भी हराया था। पहले ही इतना गिरे हुए हो और कितना गिरोगे। बेवजह कमेंट्स पास करने से अच्छा है अपने देश की तरक्की में दिमाग लगाओ। धवन ने शाहिद अफरीदी को मेंशन भी किया है। उन्होंने आगे लिखा है कि हमें हमारी इंडियन आर्मी पर बहुत गर्व है। भारत माता की जय, जय हिंद। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने एक्शन लेते हुए तमाम पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों के यूट्यूब चौनल्स को भारत में प्रतिबंधित कर दिया है। इनमें शोएब अख्तर, बासित अली, राशिद लतीफ और कामरान अकमल के नाम शामिल हैं। इससे पहले शिखर धवन ने भारतीय सेना के अफ सरों के साथ एक वीडियो शेयर किया था। इसमें वह सैनिकों के साथ भारत माता की जय के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। धवन ने इस बात पर जोर दिया कि कश्मीर हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है। धवन ने इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है, एक दिल, एक आवाज। कश्मीर हमारा था, है और रहेगा। भारत माता की जय, जय हिन्द।

शुभमन गिल ने अपने रिलेशनशिप को लेकर अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी, बताया किसे डेट कर रहे हैं?

एजेंसी, नई दिल्ली। शुभमन गिल मौजूदा समय के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय क्रिकेटर हैं। ये स्टार क्रिकेटर मौजूदा समय में आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहा है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और वह अंक तालिका में टॉप पर है। गिल की शांत और संयमित कप्तानी शैली को काफी सराहा जाता है। टीम इंडिया में सबसे चर्चित युवा चेहरों में से एक गिल मैदान और मैदान के बाहर चर्चा में रहते हैं। गिल का नाम मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा के साथ जुड़ा है। कुछ साल पहले उनका नाम बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान से भी जुड़ा था। टीवी एक्ट्रेस रिधिमा पंडित के साथ भी नाम जुड़ चुका है। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बात करते हुए गिल ने अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा कि वह तीन साल से सिंगल हैं। शुभमन गिल ने कहा कि, मेरा मतलब है मैं तीन साल से ज्यादा समय से सिंगल हूं। मेरा नाम अलग-अलग लोगों से जोड़ने को लेकर बहुत सी अटकलें और अफवाहें। कभी-कभी ये इतना हास्यास्पद होता है कि मैंने अपने जीवन में कभी उस व्यक्ति को देखा या उससे कभी मिला भी नहीं होता है। मैं अफवाहें सुनता रहता हूं कि मैं इस व्यक्ति के साथ हूं तो उस व्यक्ति के साथ हूं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा

(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com